ज्येष्ठ शुक्ल - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 299 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 28-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मंदिरों को सरकारी प्रशासन के भ्रष्टाचार से बचाया जाए : अखिलेश यादव

6 अंधड़, बारिश और चेतावनी : बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

7 पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच भेद अब मिट चुका है : रविशंकर प्रसाद

फर्स्ट टेक

जून में सामान्य से अधिक मानसूनी वर्षा की संभावना : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि भारत में जून में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, जो दीर्घकालिक औसत का 108 प्रतिशत होगी। आईएमडी ने कहा कि पूरे मानसून के दौरान देश में 87 सेमी की दीर्घकालिक औसत बारिश का 106 प्रतिशत बारिश हो सकती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस मौसम में मानसून कोर जोन में सामान्य से अधिक (लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत से अधिक) बारिश होने की संभावना है।

अमृतसर में विस्फोट में संदिग्ध खालिस्तानी आतंकवादी मारा गया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर में मजीठा रोड बाईपास पर मंगलवार को खाली पड़े एक इलाके से विस्फोटक सामग्री निकालते समय हुए विस्फोट में एक संदिग्ध खालिस्तानी आतंकवादी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ ये विस्फोट इतना जोरदार था कि व्यक्ति के दोनों हाथ उड़ गए। बॉर्डर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सतिंदर सिंह ने कहा कि उस व्यक्ति का बब्बर खालसा अंतरराष्ट्रीय (बीकेआई) जैसे किसी आतंकवादी संगठन से संबंध होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि वह व्यक्ति विस्फोटक सामग्री लेने के लिए यहां आया था और उसके बाद विस्फोट हुआ।

रूस ने यूक्रेन के सीमावर्ती गांवों पर कब्जा किया

कीव/एपी। रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में चार सीमावर्ती गांवों पर कब्जा कर लिया है। एक स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कुछ दिन पहले कहा था कि उन्होंने सीमा पर एक 'बफर जोन' स्थापित करने का आदेश जारी किया है। सुमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र की सीमा पर स्थित है, जहां यूक्रेन ने पिछले साल आक्रमण कर आश्चर्यजनक रूप से जमीन के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया था। 'बफर जोन' बनाने से रूस को वहां यूक्रेन के सीमा पार हमलों को रोकने में मदद मिल सकती है। इस बीच, पिछले कुछ दिनों में तेज जुआ रूसी बमबारी अभियान रातों-रात धीमा पड़ गया, क्योंकि बहुत कम रूसी ड्रोन ने यूक्रेन के छोटे कस्बों और शहरों को निशाना बनाया। युद्ध विराम सुनिश्चित करने और शांति वार्ता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में कई महीनों से किए जा रहे गहन प्रयासों के बावजूद रूस की ओर से हमलों को रोकने का कोई संकेत नहीं दिया जा रहा है।

28-05-2025 सूर्यास्त 6:41 बजे | 29-05-2025 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
81,551.63	24,826.20
(-624.82)	(-174.95)

सोना	चांदी
10,098 रु.	100,550 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कोरोना को रोना

कब वापिस से किस भी जरिए,
आ जाए वायरस कोरोना।
कब घुस जाए घुसपैठी भी,
जिनका जारी रोना-धोना।
यह देश सभी को झेलेगा,
आतंक रोग द्वैष टोना।
हम आदी हैं इन सबके ही,
हमको आता सबको ढोना।।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश खेहर, नृत्यांगना शोभना समेत

68 हस्तियों को पद्म सम्मान से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नवाजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर, नृत्यांगना शोभना चंद्रकुमार, अभिनेता अनंत नाग और प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति सोनिया नित्यानंद समेत 68 प्रतिष्ठित लोगों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

गत 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नागरिक पुरस्कारों – पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के लिए कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नामों की घोषणा की गई थी।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य की उपस्थिति में राष्ट्रपति भवन में दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 68 चयनित लोगों को पुरस्कार प्रदान किए।

इससे पहले गत 28 अप्रैल को पहले सम्मान समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने 71 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से विभूषित किया था।

मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) खेहर को सार्वजनिक मामलों के लिए देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया, जबकि दिवंगत कथक नृत्यांगना कुमुदिनी रजनीकांत लखिया और दिवंगत प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के लिए यह सम्मान क्रमश: लखिया के पोते और सिन्हा के बेटे ने ग्रहण किया।

'आतंकवाद के कांटे को निकालकर रहेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आतंकवाद पाकिस्तान की सोची-समझी 'युद्ध रणनीति' है, भारत उसी के अनुसार जवाब देगा : प्रधानमंत्री मोदी

■ हमें 1947 में कश्मीर में घुसने वाले मुजाहिदीनों को मार गिराना चाहिए था और यदि यह किया गया होता तो वर्तमान स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

गांधीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद कोई परोक्ष युद्ध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी युद्ध रणनीति है और भारत उसी के अनुसार जवाब देगा।

यहां गुजरात सरकार के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उत्पादों की खरीद की वकालत की।

पाकिस्तान में गैर-सरकारी और सरकारी तत्वों के बीच कोई अंतर नहीं करने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश आतंकवाद को समर्थन जारी रखते हुए युद्ध में संलग्न है।

मोदी ने यहां गुजरात सरकार के शहरी विकास कार्यक्रम में कहा, ''वसुधैव कुटुम्बकम् हमारा संस्कार है, हम अपने पड़ोसियों के लिए भी खुशी चाहते हैं, लेकिन यदि आप हमारी ताकत को चुनौती देंगे तो भारत भी वीरों की भूमि है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम इसे परोक्ष युद्ध नहीं कह सकते, क्योंकि छह मई की रात (पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय हमलों में) मारे गए लोगों को पाकिस्तान में राजकीय सम्मान दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडे लपेटे गए और सेना ने उन्हें सलामी दी।'' उन्होंने कहा, ''इससे साबित होता है कि ये आतंकवादी गतिविधियां सिर्फ परोक्ष युद्ध नहीं हैं, बल्कि उनकी ओर से सोची-समझी युद्ध रणनीति है। अगर वे युद्ध में शामिल होते हैं, तो जवाब भी उसी के अनुसार होगा।''

पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाए जाने के बाद मोदी अपनी पहली यात्रा पर गुजरात पहुंचे थे।

मोदी ने कहा कि वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और गांधीनगर की यात्रा के दौरान उन्हें ''ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गर्जना के साथ देशभक्ति का जोश'' महसूस हुआ, तथा यह भावना पूरे देश में देखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक कांटा लगातार दर्द दे सकता है, भले ही शरीर कितना भी मजबूत क्यों न हो। उन्होंने कहा कि भारत ने ''आतंकवाद के कांटे को निकालने'' का मन बना लिया और इसे पूरी दृढ़ता के साथ किया। उन्होंने आजादी के तुरंत बाद कश्मीर में हुई घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा, ''हमें 1947 में कश्मीर में घुसने वाले मुजाहिदीनों को मार गिराना चाहिए था और यदि यह किया गया होता तो वर्तमान स्थिति उत्पन्न नहीं होती।''

मोदी ने कहा, ''विभाजन के दौरान मां भारती दो टुकड़ों में बंट गई और उसी रात मुजाहिदीन द्वारा कश्मीर पर पहला आतंकी हमला किया गया।'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इन्हीं आतंकवादियों की मदद से भारत माता के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।

राष्ट्रहित को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर रखना चाहिए : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को आगाह किया कि कभी-कभी राजनीति राष्ट्रवाद और सुरक्षा जैसे विषयों पर ''बहुत हावी'' हो जाती है, जिससे राजनीतिक वर्ग को बचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने ''हमारी सोच को व्यापक रूप से बदल दिया है'' और भारतीय अब ''पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं।''

धनखड़ ने सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के मुद्दों पर आम सहमति के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह उन (सर्वदलीय) प्रतिनिधिमंडलों में विभिन्न राजनीतिक दलों की भागीदारी से प्रतिबिंबित होता है जो ''हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति नई दिल्ली के रुख'' से अवगत कराने के लिए विभिन्न देशों के दौरे पर गए हैं। उपराष्ट्रपति ने यहां राज्यसभा प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, ''हाल की घटनाओं को देखते हुए... हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है... संस्थाओं की तरह, यहां तक कि राजनीतिक दलों का भी राष्ट्रीय हित के प्रति नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि अंततः सभी संस्थाएं -- विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका -- का केंद्र बिंदु राष्ट्रीय विकास, राष्ट्रीय कल्याण, जन कल्याण है।''

अफगानों के लिए वीजा सेवा फिर से शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने व्यापार, शिक्षा और उपचार के लिए देश की यात्रा करने के इच्छुक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की है और वे अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान के काबिज होने के बाद, भारत ने काबुल में अपने दूतावास से अधिकारियों को वापस बुला लिया और वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया था। भारत सरकार के आधिकारिक वीजा पोर्टल पर जारी नोटिस के अनुसार, इसे व्यवसाय, छात्र, चिकित्सा, प्रवेश और संयुक्त राष्ट्र राजनयिक श्रेणियों में दिया जाएगा। नोटिस के अनुसार, प्रत्येक आवेदक को अफगान राष्ट्रीय पहचान पत्र (तज़किरा) ऑनलाइन अपलोड करना होगा जिसमें नाम, जन्म तिथि, राष्ट्रीयता, समाप्ति तिथि आदि जैसे व्यक्तिगत विवरण शामिल होने चाहिए।

राजनाथ ने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के लिए 'निष्पादन मॉडल' को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान (उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान यानी एएमसीए) के डिजाइन और उत्पादन के लिए 'निष्पादन मॉडल' को मंजूरी दे दी है।

भारत अपनी वायु शक्ति क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्नत 'स्टील्थ' (ऐसे विमान जिनकी हवाई क्षेत्र में मौजूदगी का पता लगाना मुश्किल होता है) विशेषताओं वाले और दुश्मन के क्षेत्र में भीतर तक जाकर लक्ष्य को भेद सकने वाले मध्यम वजन के लड़ाकू जेट विकसित करने की महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है।

तेजस हल्के लड़ाकू विमान के साथ एएमसीए को भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनाने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सिंह ने एएमसीए के लिए 'निष्पादन मॉडल' को मंजूरी दे दी है जिसे उद्योग भागीदारों के सहयोग से एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) द्वारा विकसित किया जाएगा।

विमान के विकास के लिए महत्वपूर्ण चरण को मंजूरी ऐसे समय में दी गई है जब इस क्षेत्र में चीन की तीव्र प्रगति के मद्देनजर भारत की वायु शक्ति को मजबूत करने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। बयान में कहा गया है, ''भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम निष्पादन मॉडल को मंजूरी दे दी है।''

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ''निष्पादन मॉडल'' का दृष्टिकोण निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों को प्रतिस्पर्धी आधार पर समान अवसर प्रदान करता है।

मंत्रालय ने बयान में कहा, ''वे स्वतंत्र रूप से या संयुक्त उद्यम या संघ के रूप में बोली लगा सकते हैं। इकाई/बोलीदाता देश के कानूनों और नियमों का अनुपालन करने वाली भारतीय कंपनी होनी चाहिए।'

'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है : आईजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

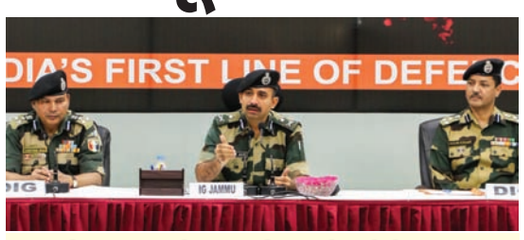

■ बीएसएफ ने जवाबी कार्रवाई में पाक की 76 चौकियों, 42 अग्रिम ठिकानों को निशाना बनाया

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मंगलवार को कहा कि उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर्स की बिना उकसावे की गोलीबारी और बमबारी का मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान की 76 सीमा चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों (एफडीएल) को निशाना बनाया। बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था।

बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।''

बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई।

आरसीबी ने क्वालीफायर एक का टिकट कटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा (नाबाद 85) की आक्रामक अर्धशतकीय पारी और मयंक अग्रवाल (नाबाद 41) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 गेंद में 107 रन की अटूट साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को आठ गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर प्लेऑफ में अपना दूसरा स्थान पक्का किया।

इस जीत के साथ ही आरसीबी ने 14 मैचों में 19 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान के साथ क्वालीफायर एक में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम अब बृहस्पतिवार को शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स का सामना करेगी जबकि इसके अगले दिन एलीमिनेटर एक में गुजरात टाइटंस का सामना मुंबई इंडियंस से होगा।

चीन के कर्ज के जाल में फंसे 75 गरीब देश, 2025 में चुकाने होंगे 25 अरब डॉलर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कर्ज चुकाने का यह दबाव इन देशों को गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट की ओर धकेल सकता है।

■ चीन अपनी देनदारियों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए भी कर सकता है, विशेषकर ऐसे समय में जब अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश विदेशी सहायता में कटौती कर रहे हैं।

नई दिल्ली/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत लिए गए ऋणों के कारण 75 सबसे गरीब देशों को वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 25 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना पड़ेगा, जिनमें पाकिस्तान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें अकेले 22 अरब डॉलर चुकाने हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट की ओर से जारी अध्ययन के मुताबिक, इन ऋणों की भारी भरपाई विकासशील देशों की स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु वित्तपोषण क्षमताओं को कमजोर कर रही है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कर्ज चुकाने का यह दबाव इन देशों को गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट की ओर धकेल सकता है।

अध्ययन में बताया गया है कि चीन ने वर्ष 2008 से 2021 तक बेलआउट सहायता के रूप में 240 अरब डॉलर खर्च किए लेकिन अब, और इस दशक के बाकी वर्षों में चीन विकासशील देशों के लिए बैंकर नहीं बल्कि ऋण वसूलीकर्ता बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने ऐसे समय में ऋण देना बंद कर दिया जब देशों को उसकी सबसे अधिक जरूरत थी। इसके बजाय जब देश पहले से ही आर्थिक दबाव में थे तब बड़े पैमाने पर वित्तीय बहिर्वाह शुरू हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, चीन अपनी देनदारियों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए भी कर सकता है, विशेषकर ऐसे समय में जब अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश विदेशी सहायता में कटौती कर रहे हैं। रिपोर्ट में उन देशों का भी जिक्र किया गया है, जिन्हें ताइवान से बीजिंग की ओर राजनयिक मान्यता बदलने के तुरंत बाद बड़े ऋण दिए गए, जिनमें होंडुरास, निकारागुआ, सोलोमन द्वीप, बुर्किना फासो और डोमिनिकन गणराज्य शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लाओस, पाकिस्तान, मंगोलिया और कजाकिस्तान जैसे देश खासकर ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में भारी चीनी निवेश के कारण गंभीर ऋण संकट में फंसे हैं। इन देशों को अब अपने मूलभूत सार्वजनिक खर्चों को बनाए रखने और चीन को कर्ज चुकाने के बीच संतुलन साधना पड़ रहा है।

यह एकतरफा स्थिति नहीं है। चीन खुद भी दबाव में है क्योंकि उसे वैश्विक कूटनीतिक आलोचना, कर्ज पुनर्गठन की मांगों और अपनी धीमी घरेलू अर्थव्यवस्था से जूझना पड़ रहा है। लोवी इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीन के ऋण का वास्तविक स्तर शायद रिपोर्ट में बताए गए स्तर से कहीं अधिक है।

सावरकर के लिखे देशभक्ति गीत को महाराष्ट्र सरकार का पुरस्कार मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वतंत्रता सेनानी वी डी सावरकर द्वारा लिखे गए देशभक्ति गीत ''अनादि मी, अनंत मी'' को मंगलवार को पहला 'छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार' प्रदान किया।

दिवंगत हिंदुत्व विचारक के पोते रंजीत सावरकर ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर फाउंडेशन की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया। यह समारोह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'वर्षा' में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

पुरस्कार प्रदान करने के तुरंत बाद शाह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। पुरस्कार में, 2 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक स्मृति चिह्न शामिल है। राज्य के संस्कृति विभाग ने इस वर्ष लोगों को प्रेरित करने वाले एक गीत को सम्मानित करने के लिए इस पुरस्कार की शुरुआत की और इसका नाम छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर रखा। कार्यक्रम में, राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन लोगों को प्रेरित करता है।

शेलार ने कहा, ''वह एक महान विचारक और कवि थे और उन्होंने कई रचनाएं कीं। इसलिए हमने इस पुरस्कार का नाम उनके नाम पर रखने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा कि सावरकर की कविता ''अनादि मी, अनंत मी'' में अपार आंतरिक शक्ति है, जो इसे पुरस्कार का पहला हकदार बनाती है। शाह और फडणवीस ने सावरकर के राष्ट्रीय स्मारक के लिए दो लाख रुपए का चेक सावरकर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को सौंपा।

मोदी और अमित शाह पर

उद्धव, आदित्य ने निशाना साधना जारी रखा तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे : राणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भाजपा नेता नारायण राणे ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके विधायक बेटे आदित्य और पार्टी नेता संजय राउत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधना जारी रखेंगे तो उन्हें ''गंभीर परिणाम'' भुगतने होंगे।

राणे ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे परिवार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर दूं कि अगर उद्धव, आदित्य और संजय राउत हमारे नेताओं की आलोचना करना जारी रखते हैं, तो हम कड़ी कार्रवाई करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''राउत को प्रधानमंत्री मोदी और शाह के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। हम इसे अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

राणे ने उद्धव ठाकरे पर कोरोना वायरस महामारी के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से बचने का भी आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया, ''जब महामारी अपने चरम पर थी, तब वह (उद्धव) राज्य के मुख्यमंत्री थे।

लेकिन वह अपनी जिम्मेदारियों से बचते रहे।'' इससे एक दिन पहले, मुंबई में भारी बारिश के बाद सार्वजनिक परिवहन बुरी तरह प्रभावित हुआ और कई मेट्रो स्टेशन जलमग्न हो गए, जिनमें से एक का हाल में उद्घाटन किया गया था। आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने जलभराव को लेकर सरकार पर निशाना साधा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाए, जिसके बाद राणे ने यह टिप्पणी की है।

आदित्य ने यहां तक कहा कि पार्षदों को लुभाने के लिए इस्तेमाल किए गए धन का उपयोग मुंबई के नागरिकों की परेशानियों को कम करने के लिए किया जा सकता था।

आलोचना का जवाब देते हुए राणे ने भारी बारिश के पिछले उदाहरणों के दौरान शिवसेना (उबाठा) के रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। भाजपा नेता ने कहा, ''मुंबई जुलाई और अगस्त में भारी बारिश के लिए जाना जाता है। जब शहर में भारी बारिश हुई थी, तब कितने लोगों को उद्धव ठाकरे से मदद मिली? एक भी व्यक्ति को नहीं।'' राउत की आलोचना करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह बहुत बोलते हैं। वह शुरुआती दिनों में शिवसेना में भी नहीं थे। वह लोकप्रभा (एक मराठी पत्रिका) के साथ थे और बालासाहेब (ठाकरे) की आलोचना करते थे। अब वह हर सुबह प्रेस को संबोधित करते हैं।''

ठाकरे पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए नारायण राणे ने कहा, ''भ्रष्टाचार उनके खून में है। 1985 से पहले उद्धव और आदित्य की आय कितनी थी? उन्हें अपने वित्तीय विवरण दिखाने चाहिए।'' गौरतलब है कि आदित्य ठाकरे का जन्म 13 जून 1990 को हुआ था।

केंद्र सरकारों के कई फैसलों में तेदेपा ने निभाई अहम भूमिका: चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी ने केंद्र की विभिन्न सरकारों द्वारा लिए गए कई निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और तेदेपा कल्याण, सुधार एवं विकास के संबंध में कीर्तिमान स्थापित करने वाली पार्टी है।

नायडू ने अपनी पार्टी के सम्मेलन 'टीडीपी महानाडु' को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 43 साल में तेदेपा ने कई चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में कई लोगों ने कहा कि पार्टी खत्म हो गई है, लेकिन इसका झंडा हमेशा बुलंद रहा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, ''तेदेपा ने केंद्र सरकारों द्वारा (अलग-अलग समय पर) लिए गए कई फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश जो आज सोचता है, भारत कल सोचता है, यह कई बार साबित हो चुका है।'' उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा और कई तेदेपा कार्यकर्ताओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। नायडू ने कहा कि उनके बलिदान को स्वीकार करते हुए पार्टी उनका सम्मान करेगी और उनका समर्थन करेगी। नायडू ने कहा कि देश में विभिन्न राजनीतिक दल हैं, लेकिन तेदेपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक शक्ति के मामले में पार्टी सबसे मजबूत दलों में से एक बनी हुई है। नायडू ने कहा कि पार्टी ने मात्र 45 दिन में एक करोड़ सदस्य बनाकर सदस्यता अभियान पूरा कर लिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के लिए तेदेपा की वकालत पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने 2016 में नोटबंदी के दौरान डिजिटल मुद्रा पर एक रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपे जाने की बात याद दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने उनसे (मोदी से) केवल एक बात का अनुरोध किया था: आज आप 500 और 1,000 रुपए के नोट बंद कर रहे हैं और 2,000 रुपए का नया नोट जारी कर रहे हैं। अगर जरूरत पड़े तो 500, 1,000 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर दीजिए। डिजिटल करंसी शुरू कीजिए- अगर कोई भ्रष्ट लोग हैं तो हम उन्हें आसानी से पकड़ सकते हैं।''

बीएसएनएल को चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपए का मुनाफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब वह लाभ में रही है। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि में 849 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा, ''वर्ष 2007 के बाद 18 साल में पहली बार कंपनी को लगातार दो तिमाहियों में शुद्ध मुनाफा हुआ है।'' कंपनी ने तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। बीएसएनएल ने कहा कि लगातार दो तिमाहियों में मुनाफे के साथ, वित्त वर्ष 2024-25 में उसका घाटा सालाना आधार पर 5,370 करोड़ रुपए से कम होकर 2,247 करोड़ रुपए रह गया। बीएसएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा, ''यह तेज बदलाव पेशेवर प्रबंधन, सरकारी समर्थन और आय तथा मुनाफे दोनों पर लगातार ध्यान देने का प्रमाण है। बीएसएनएल को न केवल पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि इसे एक नया रूप दिया जा रहा है।'' वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल की परिचालन आय सालाना आधार पर 19,330 करोड़ रुपए से 7.8 प्रतिशत बढ़कर 20,841 करोड़ रुपए हो गई।

'वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत आर्थिक वृद्धि के लिहाज से आकर्षक स्थल'

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि उतार-चढ़ाव वाले वैश्विक आर्थिक माहौल के बीच भारत आर्थिक वृद्धि के लिहाज से 'आकर्षक स्थल' बना हुआ है। उन्होंने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क व्यवस्था से समूह पर खास असर नहीं पड़ेगा। चंद्रशेखर टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन भी हैं। टाटा समूह की दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली इकाई टीसीपीएल के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''भारत का अमेरिका से व्यापार बहुत ज्यादा नहीं है। अमेरिका को भारत से वस्तु निर्यात उसके सकल घरेलू उत्पाद का सिर्फ दो प्रतिशत है। यह उभरते बाजारों में सबसे कम है।''

एलआईसी का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 38% बढ़कर 19,013 करोड़ रु. पर

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत बढ़कर 19,013 करोड़ रुपए हो गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने मंगलवार को शेयर बाजारों को मार्च तिमाही के वित्तीय नतीजे की सूचना दी। कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 13,763 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एलआईसी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 2,41,625 करोड़ रुपए रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में यह 2,50,923 करोड़ रुपए थी। कंपनी की नई पॉलिसी के प्रीमियम से हुई आय भी घटकर मार्च, 2025 तिमाही में 11,069 करोड़ रुपए रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 13,810 करोड़ रुपए थी। हालांकि, समीक्षाधीन अवधि में पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम से आय बढ़कर 79,138 करोड़ रुपए हो गई जो जनवरी-मार्च, 2024 में 77,368 करोड़ रुपए थी। समूचे वित्त वर्ष (2024-25) में एलआईसी का लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 48,151 करोड़ रुपए हो गया जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 40,676 करोड़ रुपए था। पिछले वित्त वर्ष के दौरान बीमा कंपनी की कुल आय बढ़कर 8,84,148 करोड़ रुपए हो गई। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,53,707 करोड़ रुपए थी। इस बीच, एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

लोकतांत्रिक देशों की संसदों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर काम करना चाहिए : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को आतंकवाद को मानव विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया और कहा कि इस वैश्विक चुनौती के खिलाफ सभी लोकतांत्रिक देशों की संसदों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने श्रीलंका की संसद के उपाध्यक्ष और श्रीलंका की संसद की समितियों के सभापति रिज़वी सालेह के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए श्रीलंकाई संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान ये टिप्पणी की।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, बिरला ने कहा, ''आतंकवाद, चाहे किसी भी रूप में हो, सभ्यता और मानव विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह किसी एक देश या एक क्षेत्र के लिए खतरा नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि आतंकवाद के इस खतरे से लड़ने के लिए सभी देश एक साझा मोर्चे और रणनीति के साथ एक साथ खड़े होंगे। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि विश्व के लोकतांत्रिक देशों की संसदों को आतंकवाद के वैश्विक खतरे के विरुद्ध एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत और श्रीलंका की मित्रता साझे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है। भारत की संसद के कामकाज में अपनाए जा रहे विभिन्न तकनीकी नवाचारों का जिक्र करते हुए बिरला ने कहा कि भारतीय संसद डिजिटल और एआई आधारित तकनीकों के माध्यम से संसदीय प्रणाली में जन भागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे रही है।

'सुरक्षित एवं समावेशी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के नवोन्मेषण से कारोबारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए निर्बाध, सुरक्षित तथा समावेशी वित्तीय सेवाएं संभव हुई हैं।

सीतारमण ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स के नोएडा कार्यालय का दौरा किया और देश की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के विस्तार में भारत की वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के योगदान की सराहना की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दी जानकारी में बताया कि सीतारमण ने यह भी कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित एवं समावेशी वित्तीय सेवाएं सक्षम कर रही हैं। इसमें कहा गया कि वित्त मंत्री ने प्रीपेड माध्यमों, अकाउंट एग्रीगेटर (एए) ढांचे एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) तथा अन्य सरकारी योजनाओं व सेवाओं में उपयोग की जाने वाली डिजिटल सेवाओं के इर्द-गिर्द विकसित किए जा रहे अभिनव वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान पर पाइन लैब्स के काम पर भी गौर किया। सीतारमण ने इस दौरान पाइन लैब्स के कर्मचारियों और ग्राहकों से भी बातचीत की।

कोविड को लेकर फिलहाल आपात स्थिति नहीं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 100 के पार हो जाने के मद्देनजर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को लोगों को आश्वस्त किया और कहा कि फिलहाल घबराने की कोई जरूरत नहीं है। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''कोविड को लेकर कोई आपात या चिंताजनक स्थिति नहीं है।''

इसे वायरल संक्रमण जैसा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जैसे सर्दी-खांसी होती है, वैसे ही कोविड-19 भी एक मौसमी वायरस है। गुप्ता ने कहा, हमारे अस्पताल सतर्क हैं और स्थिति नियंत्रण में है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में अब तक कोविड के 104 संक्रमित मिले हैं। पिछले सप्ताह दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एक परामर्श जारी किया था, जिसमें अस्पतालों से बिस्तर, ऑक्सीजन, दवाओं और टीकों की उपलब्धता को लेकर तैयार रहने को कहा गया था।

पवन कल्याण का थिएटर सुधार का आदेश

टिकट और खाद्य पदार्थों की कीमतें विनियमित करने को कहा

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंगलवार को अधिकारियों को राज्य भर में व्यवस्थित थिएटर प्रबंधन सुनिश्चित करने और खान-पान और टिकट की कीमतों को विनियमित करने का निर्देश दिया। कल्याण ने कहा कि फिल्म निर्माताओं को टिकट मूल्य वृद्धि की मांग व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि तेलुगु फिल्म चैंबर (टीएफसी) के माध्यम से करनी चाहिए, जिसमें उनकी फिल्म 'हरि हरा वीरा मल्लू' भी शामिल है, जो 12 जून को रिलीज होने वाली है। सिनेमेटोग्राफी मंत्री के. दुर्गेश की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार कल्याण ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकारी विभागों को मूल्य निर्धारण और संचालन में निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए।'' कल्याण ने पॉपकॉर्न, पेय और बोतलबंद पानी की अत्यधिक कीमतों पर चिंता जतायी और अधिकारियों को मूल्य निर्धारण और गुणवत्ता मानकों की निगरानी करने तथा जहां आवश्यक हो, जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

मुंबई में अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के घर में जबरन घुसने के आरोप में महिला गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई के पश्चिमी उपनगर खार में अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के घर में जबरन घुसने के आरोप में 48 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यूएई में रहने वाली आरोपी महिला गजाला सिद्दीकी सोमवार को शहर आई और शिरली राजन रोड स्थित अभिनेता के अपार्टमेंट की इमारत में पहुंची। उन्होंने बताया कि महिला सुरक्षा गार्ड को कुछ बहाना करके अपने सामान के साथ इमारत में दाखिल हुई और अभिनेता के फ्लैट पर पहुंच गई। अधिकारी ने बताया कि सिद्दीकी घर के सामने वाले कमरे में बैठी रही, जबकि रॉय कपूर के कर्मचारी यह जानने के लिए अभिनेता से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे कि क्या

हम आतंकवाद से नहीं डरेंगे : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम/भाषा। पहलगाम में मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के बाद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटन को संघर्ष-निरपेक्ष होना चाहिए और इसे सामान्य स्थिति का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए।

यह बैठक यह स्पष्ट संदेश देने के लिए हुई कि सरकार 'आतंकवाद की कायराना हरकतों से नहीं डरेगी।' पहलगाम के बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद अपनी पहली प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने आतंकवादी हिंसा की स्पष्ट निंदा करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैं कश्मीर, विशेषकर पहलगाम के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और एक स्वर में इसके खिलाफ खड़े हुए। इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं और उन्हें सलाम करता हूं।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनके प्रशासन और केंद्र , विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यटन क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं जिन्होंने पिछले सप्ताह हितधारकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। उमर अब्दुल्ला ने कहा, '' मैं हाल में दिल्ली में था, जहां नीति आयोग की बैठक के दौरान मुझे प्रधानमंत्री से मिलने का मौका मिला। मैंने उन्हें जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग की स्थिति से अवगत कराया और उन्होंने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।'' उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह केंद्रीय स्तर पर हुई बैठक में पर्यटन के पुनरुद्धार के लिए व्यापक रूपरेखा पर चर्चा की गई थी।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम क्लब में हुई इस बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डालीं।

मुख्यमंत्री ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली प्रेसवार्ता में कहा, ''यहां मंत्रिमंडल की बैठक हुई और सरकार के एजेंडे पर चर्चा हुई, लेकिन मंत्रिमंडल की बैठक यह दिखाने के लिए थी कि लोग आतंकवादी हिंसा से नहीं डरेंगे और जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए हमारा संकल्प जारी रहेगा।''

विदेशी अंशदान पाने वाले एनजीओ समाचार सामग्री प्रकाशित नहीं कर सकेंगे : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने कहा है कि प्रकाशन संबंधी गतिविधियों में लगे और विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाले गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) कोई समाचार पत्र प्रकाशित नहीं कर सकेंगे और उन्हें भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक से यह प्रमाण पत्र लेना होगा कि वे कोई समाचार सामग्री प्रसारित नहीं करते हैं। केंद्र ने कहा है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण चाहने वाले एनजीओ को नए नियमों का पालन करना होगा।

गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा है कि उसने एफसीआरए के तहत बनाए गए नियमों में संशोधन किया है और अब से विदेशी धन प्राप्त करने की अनुमति मांगने वाले एनजीओ को यह हलफनामा देना होगा कि वे वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के अच्छे आचरण संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेंगे।

एफएटीएफ आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन पर वैश्विक निगरानी संस्था है। गृह मंत्रालय ने कहा कि ऐसे निकाय या गैर सरकारी संगठन, जो पंजीकरण चाहते हैं, उन्हें पिछले तीन वित्तीय वर्षों के वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षा रिपोर्ट संलग्न करनी होगी, जिसमें परिसंपत्तियों और देनदारियों का विवरण, प्राप्तियां और भुगतान खाता, तथा आय और व्यय खाता शामिल होगा। यदि लेखापरीक्षा रिपोर्ट और वित्तीय विवरण में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के गतिविधि-वार व्यय शामिल नहीं हैं, तो एनजीओ द्वारा गतिविधि-वार व्यय की गई राशि को निर्दिष्ट करने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट का प्रमाण पत्र, आय और व्यय खाते और प्राप्ति और भुगतान खाते के साथ विधिवत मिलान किया जाना चाहिए।

बेंगलूरु में कोरोनावायरस महामारी के खिलाफ एहतियात के तौर पर लोग फेस मास्क पहन बचाव करते हुए।

भाजपा ने कर्नाटक में दो विधायकों को 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए निष्कासित किया

य्ह्नदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में अपने दो विधायकों एस टी सोमशेखर और ए शिवराम हेब्बार को कथित ''पार्टी विरोधी गतिविधियों'' के लिए मंगलवार को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने यह जानकारी दी। विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी आलाकमान ने लंबे विचार-विमर्श के बाद यह फैसला किया है।

इस बीच, उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी. के. शिवकुमार ने इस कार्रवाई की आलोचना की। सोमशेखर और हेब्बार क्रमश: यशवंतपुर और येल्लापुर विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं और पूर्व में कांग्रेस में थे। वर्ष 2019 में, वे कांग्रेस और जनता दल (एस) के उन 18 विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने एच डी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली राज्य की कांग्रेस-जदएस की तत्कालीन गठबंधन सरकार गिरा दी थी और भाजपा को राज्य में चौथी बार सत्ता में आने और बी एस येडीयुरप्पा को मुख्यमंत्री बनाने में मदद की थी। बाद में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था और वे भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि दोनों ने भाजपा के टिकट पर 2023 का विधानसभा चुनाव जीता था, लेकिन जल्द ही कांग्रेस के साथ नजदीकी बनाने लगे।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सोमशेखर और हेब्बार अक्सर पार्टी के निर्देशों की अनदेखी करते थे और उन्होंने पार्टी की बैठकों में भी शामिल होना बंद कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक विधानसभा में भी वे सत्तारूढ़ कांग्रेस का समर्थन करते नजर आए, जिसके साथ वे 2019 से पहले से लंबे समय तक जुड़े रहे थे। विजयेंद्र ने कहा, ''उन्हें (दो विधायकों को) खुद को सुधारने के लिए काफी समय दिया गया, लेकिन उन्होंने सभी चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। आखिरकार उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।''भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के

अनुसार, पार्टी की राज्य कोर कमेटी की बैठकों में अक्सर उनकी गतिविधियों पर चर्चा होती थी और केंद्रीय नेतृत्व को भी उनके बारे में अवगत कराया जाता था। विजयेंद्र ने कहा, हमने इस पर जोर दिया था कि उनके खिलाफ कुछ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। निष्कासित विधायकों ने इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पत्र में भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने कहा, ''समिति ने 25 मार्च 2025 को जारी किये गए कारण बताओ नोटिस पर आपके जवाब पर विचार किया है और पार्टी अनुशासन के आपके बार-बार उल्लंघन को गंभीरता से लिया है।'' पत्र में कहा गया है, ''तदनुसार आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है और आप वर्तमान में पार्टी में जिस किसी भी पद पर हैं, आपको उससे हटाया जाता है।''

दोनों विधायकों के भाजपा से निष्कासन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, ''एस टी सोमशेखर और हेब्बार ने विधान सौध के अंदर किसी के साथ बलात्कार नहीं किया है।'' शिवकुमार ने कहा कि कुछ विधायकों के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भाजपा विधायकों ने विपक्ष के नेता को एचआईवी संक्रमित करने और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा को फंसाने की कोशिश की, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इसके साथ ही राज्य में निष्कासित भाजपा विधायकों की संख्या तीन हो गई है। पार्टी ने इससे पहले विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को येडीयुरप्पा और उनके बेटे विजयेंद्र की खुलेआम आलोचना करने के लिए निष्कासित कर दिया था।

संक्रमण गंभीर नहीं है, लेकिन एहतियात जरूरी : सिद्दरामय्या

य्ह्नदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि (कोरोना) वायरस के जिस स्वरूप का संक्रमण फैल रहा है वह ''गंभीर'' प्रकृति का नहीं है, हालांकि एहतियाती उपाय किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सभी आवश्यक उपाय करने और भविष्य में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल और अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के साथ कोविड की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव और 'कोविड टास्क फोर्स' के प्रमुख से भी जानकारी हासिल की।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''मैंने कुछ एहतियाती कदम उठाने को कहा है। हमें हर चीज के लिए तैयार रहना चाहिए। ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, जांच किट आदि को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इनकी उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य में अभी 80 उपचाराधीन मरीज हैं।

उन्होंने कहा, ''हमने अभिभावकों से कहा है कि वे सर्दी, खांसी और बुखार से ग्रस्त बच्चों को स्कूल न भेजें। बुजुर्गों और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मास्क पहनना जरूरी है। आप (मीडियाकर्मी) भी मास्क पहनें।''

यह पूछे जाने पर कि क्या सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य करने और टीकाकरण कराने के बारे में कोई चर्चा हुई है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने अधिकारियों से कहा है कि अगर टीके उपलब्ध हैं तो खरीद लें।'' उन्होंने कहा कि अभी सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य नहीं है, लेकिन बुजुर्ग, अन्य बीमारियां से जूझ रहे, गुर्दे और दिल से संबंधित बीमारी से ग्रस्त लोगों को मास्क पहनना चाहिए। विदेश से आने वालों की जांच या निगरानी के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई कदम उठाने के बारे में सूचना नहीं मिली है, लेकिन सभी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

कुंबले को वन एवं वन्यजीव राजदूत नियुक्त किया जाएगा : मंत्री

य्ह्नदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले को वन और वन्यजीव राजदूत के रूप में नामित करने का फैसला किया है। वन, जीवविज्ञान और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खांड्रे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए खांड्रे ने कहा कि कर्नाटक वन्यजीव बोर्ड के उपाध्यक्ष रह चुके अनिल कुंबले विश्व प्रसिद्ध हैं और वह वन संरक्षण, वन विकास और वन्यजीव संरक्षण के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने में मदद करेंगे।

खांड्रे ने कहा, अनिल कुंबले को वन्यजीवों की बहुत चिंता है। उन्हें जंगलों से बहुत प्यार है। इसलिए, वह बिना किसी पारिश्रमिक के राजदूत बनने के लिए सहमत हो गए हैं। मंगलवार को वन मंत्री के रूप में उनके दो वर्ष पूरे होने पर खांड्रे ने अपनी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की एक झलक भी साझा की।

खांड्रे ने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 8,848 वन महोत्सव आयोजित किए गए हैं और वन क्षेत्रों, सड़कों के किनारे तथा सरकारी भूमि पर लगभग साढ़े आठ करोड़ पौधे लगाए गए हैं तथा उनकी देखभाल की गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 में कुल 1,20,975 हेक्टेयर वृक्षारोपण, 25 नये वृक्षारोपण स्थल और 35 वन विकसित किये गये हैं।

खांड्रे ने यह भी कहा कि पिछले दो वर्षों में किसानों को उनके अपने खेतों और अन्य स्थानों पर लगाने के लिए कुल 3.70 करोड़ पौधे वितरित किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने येलहांका के निकट मडप्पनहल्ली में 153 एकड़ भूमि पर एक और बड़ा पार्क बनाने का निर्णय लिया है। खांड्रे ने कहा, बेंगलूरु में लालबाग का निर्माण हैदर अली के समय हुआ था, जबकि कब्बन पार्क ब्रिटिश शासन में बना था। एक सदी बाद भी बेंगलूरु में दूसरा बड़ा पार्क नहीं बना है। इसलिए मेरे वन मंत्री बनने के बाद, 153 एकड़ जमीन जो नीलगिरि उगाने के लिए कर्नाटक वन विकास निगम को दी गई थी, उसे दो जून को वन विभाग वापस ले लेगा और वहां एक पार्क बनाया जाएगा।

मंत्री ने चिंता जताई कि बेंगलूरु की वन भूमि दशकों से अतिक्रमित हो रही है और पिछले दो वर्षों में 128 एकड़ अतिक्रमित वन भूमि को मुक्त कराया गया है।

स्वागत

पूर्व भाजपा विधायक नारायणस्वामी, चंद्र रेड्डी और अन्य लोग मंगलवार को केपीसीसी कार्यालय में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की मौजूदगी में औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।

इसरो नौकरी धोखाधड़ी : पुलिस को शिकायतकर्ता पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया

य्ह्नदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को बेंगलूरु पुलिस को उस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया जिसने दावा किया था कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला और उसके कथित साथियों ने उससे एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। न्यायालय ने इस लेनदेन की 'असामान्य प्रकृति' का हवाला देते हुए यह निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज की अगुवाई वाली अवकाशकालीन पीठ ने आरोपी विनुथा एम. ई. द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

अदालत ने लेनदेन की 'असामान्य प्रकृति' को देखते हुए शिकायतकर्ता के खिलाफ ही शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा, शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने इसरो जैसे प्रतिष्ठित संगठन में नौकरी पाने के लिए याचिकाकर्ता (आरोपी महिला) और अन्य को 1.03 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इसलिए, प्रथम प्रतिवादी (अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस) को शिकायतकर्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त अदालत ने इस आदेश की एक प्रति इसरो के अध्यक्ष को भेजने के लिए कहा है। अदालत ने रजिस्ट्रार न्यायिक को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि चार जून को होने वाली अगली सुनवाई तक इस तरह के संचार का सबूत प्रस्तुत किया जाए। याचिकाकर्ता विनुथा एम. ई. को कोल्लेगल और चिकमगलुरु टाउन पुलिस थाने में उसके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों के बारे में विवरण प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया है। शिकायतकर्ता संजय एन ने आरोप लगाया कि अगस्त 2024 में नगरभावी में उनके आवास पर विनुथा पहुंची और उसने उनको बताया कि वह उन्हें इसरो में ग्राफिक डिजाइनर का पद दिला सकती है।

बेंगलूरु में 10 लाख से अधिक प्रौद्योगिकी पेशेवर, शीर्ष 12 वैश्विक केंद्रों में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। देश की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) राजधानी कहे जाने वाले बेंगलूरु में प्रौद्योगिकी गतिविधियों में संलग्न कार्यबल की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार करने के साथ ही यह शहर शीर्ष 12 वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्रों में शामिल हो गया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म सीबीआरई ने 'ग्लोबल टेक टैलेंट गाइडबुक 2025' रिपोर्ट में दुनिया के 115 बाजारों में वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रतिभा की गतिशीलता पर प्रकाश डाला है। इसमें प्रौद्योगिकी पेशेवरों की उपलब्धता, गुणवत्ता और लागत के आधार पर बाजारों का मूल्यांकन किया गया है।

सीबीआरई ने कहा कि रिपोर्ट में बेंगलूरु को शीर्ष 12 वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्रों में से एक के रूप में चिह्नित किया गया है। अन्य शहरों में बीजिंग, बोस्टन, लंदन, न्यूयॉर्क मेट्रो, पेरिस, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल, शंघाई, सिंगापुर, तोक्यो और टोरंटो शामिल हैं। सलाहकार फर्म ने कहा, बेंगलूरु, बीजिंग और शंघाई के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी प्रतिभा बाजार है, जहां प्रौद्योगिकी पेशेवरों की संख्या 10 लाख से अधिक है। यह बेंगलूरु शहर को वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण नोड बनाता है।

सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, बेंगलूरु का वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभरना डिजिटल नवाचार, एआई और उपलब्ध प्रतिभा में भारत की रणनीतिक गहराई को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'इसके साथ दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, अहमदाबाद और जयपुर जैसे शहरों में समानांतर विकास की कहानी भी सामने आ रही है, जिनमें से प्रत्येक भारत के विविधतापूर्ण और लचीली प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी में अद्वितीय योगदान दे रहा है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलूरु में कृत्रिम मेधा (एआई) में महारत रखने वाले पेशेवरों की संख्या भी देश में सबसे अधिक है जो इसे सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क जैसे स्थापित अमेरिकी समूहों के बराबर रखता है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मंगलवार को बेंगलूरु में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

मुलाकात

दक्षिण भारत में इजरायल के उप महावाणिज्यदूत इनबल स्टोन ने मंगलवार को बेंगलूरु में विधान सौधा में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की।

कभी नहीं सोचा कि मैं नहीं लिखूंगी, यह मेरे लिए सांस लेने जैसा है : लेखिका बानू मुश्ताक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारत में महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन का वृत्तांत लिखने में तीन दशक से अधिक समय बिताने वाली अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक का कहना है कि वह लेखन के बिना नहीं रह सकतीं, क्योंकि यह उनके लिए सांस लेने जैसा है। लेखिका बानू मुश्ताक के कन्नड़ लघु कथा संग्रह 'हृदय दीप' के अनूदित संस्करण हार्ट लैंप' को 21 मई को लंदन में अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसका अनुवाद दीपा भास्ती ने किया है।

मंगलवार को भारत लौटीं लेखिका ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में एक वकील, महिला अधिकार कार्यकर्ता, पत्रकार और लेखक के रूप में अपने करियर पर प्रकाश डाला। मुश्ताक ने कहा, मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे लिखना था और मुझे कड़ी मेहनत करनी थी, मैंने वो सब किया है। इसमें बहुत सी चुनौतियां हैं। लिखना इतना आसान नहीं है, इसमें बहुत सी कठिनाइयां और चुनौतियां हैं, मुझे उनका भी सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नहीं लिखूंगी।

हर दिन मैं सोचती हूं कि मुझे लिखना है। मैं लिखे बिना नहीं रह सकती, लिखना मेरे लिए सांस लेने जैसा है, इसलिए मुझे लिखना है।

मुश्ताक की 12 कहानियों का यह संग्रह दक्षिण भारत के पितृसत्तात्मक समुदाय में हर दिन संघर्ष करतीं महिलाओं के लचीले रुख, प्रतिरोध और उनकी हाजिरजवाबी का वर्णन करता है, जिसे मौखिक कहानी कहने की समृद्ध परंपरा के माध्यम से जीवंत रूप दिया गया है। छह अंतरराष्ट्रीय कथा संग्रह में से चयनित मुश्ताक की कृति ने परिवार और सामुदायिक तनावों को चित्रित करने की उनकी मजाकिया, बोलचाल की भाषा के इस्तेमाल,''मार्मिक और कटु'' शैली के लिए निर्णायकों को आकर्षित किया।

मुश्ताक ने अपनी जीत को एक ''चमत्कारी बात'' कहा। 77 वर्षीय मुश्ताक ने कहा, जूरी के अध्यक्ष ने अपना भाषण दिया। मैं और मेरे बच्चे देख रहे थे कि वह क्या कहने जा रहे हैं, जब अंत में 'हार्ट लैंप' की घोषणा की गई, तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, मैं दो मिनट के लिए सुन्न हो गई। मैं समझ नहीं पाई कि मैं ये क्या सुन रही हूं। उन्होंने कहा, मेरे बच्चे भी खुशी से उछल पड़े... मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इस प्रतियोगिता में भाग लूंगी और इस स्थान पर पहुंचूंगी। यह एक चमत्कारी पल है। अपने लंबे करियर में, मुश्ताक ने 1990 से 2000 तक कन्नड़ अखबार 'लंकेश पत्रिका' के लिए एक संवाददाता के रूप में काम किया और वर्तमान में कर्नाटक के हासन की अदालत में वकील के रूप में काम करती हैं।

कलबुर्गी की उपायुक्त पर 'पाकिस्तानी' टिप्पणी के मामले में भाजपा एमएलसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कलबुर्गी की उपायुक्त फौजिया तरन्नुम के खिलाफ ''कथित पाकिस्तानी'' टिप्पणी करने के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एन रविकुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एमएलसी ने 24 मई को भाजपा के विरोध-प्रदर्शन के दौरान कथित टिप्पणी की थी।

रविकुमार ने आईएएस अधिकारी पर कांग्रेस पार्टी के आदेश पर काम करने का आरोप लगाया था और कथित तौर पर कहा था, ऐसा लगता है कि वह पाकिस्तान से आई हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भाजपा एमएलसी के खिलाफ स्टेशन बाजार थाने में मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

घटना की निंदा करते हुए आईएएस ऑफिसर एसोसिएशन' ने कुमार से उनकी गैर-जिम्मेदार और अस्वीकार्य ''टिप्पणियों'' के लिए ''बिना शर्त माफी'' मांगने की मांग की है।

इसने एक बयान में कहा, फौजिया तरन्नुम एक बेदाग एवं ईमानदार आईएएस अधिकारी हैं जिनका 'ट्रैक रिकॉर्ड' सराहनीय है और वह जनसेवा तथा राज्य के प्रति गहन समर्पण की भावना रखती हैं। रवि कुमार द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी निराधार, अनुचित और पूरी तरह से तर्कहीन है। इस तरह के भड़काऊ और झूठे बयान न केवल प्रतिबद्ध लोकसेवकों की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि गंभीर मानसिक आघात भी देते हैं तथा यह कर्तव्य के दौरान उत्पीड़न के समान है।''

उडुप्पी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर बस पलटी

उडुप्पी। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर पोलिपु मस्जिद के पास एक निजी बस के पलट जाने से उसपर सवार कई यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर उडुप्पी से मंगलूरु जा रही बस के चालक ने एक अन्य वाहन को 'ओवरटेक' करने के प्रयास में कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे यह दुर्घटना हो गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना और चालक की ओर से कथित लापरवाही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''कई यात्री मामूली तौर पर घायल हो गए हैं, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।'' पुलिस ने बताया कि कापू थाने की स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की जा रही है।

अधिकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिये हैं। बागड़े ने मंगलवार को सलूंबर कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने भौगोलिक परिस्थितियों एवं संसाधनों की कमी से प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार के लिए योजना एवं कार्यक्रम, स्थानीय नागारिकों के पलायन को रोके जाने के लिए किए जा रहे प्रयास सहित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

उन्होंने इस दौरान मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उद्यान विभाग की योजनायें, शिक्षा विभाग, टीकाकरण, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पशुपालन विभाग, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, वृक्षारोपण सहित केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे योजनाओं में लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि हासिल कर जरुरतमंदों को राहत प्रदान करें।

बागड़े ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पालनहार योजना एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुये पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक गांव में नल एवं विद्युत कनेक्शन की आपूर्ति सुनिश्चित करने और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उद्यान विभाग की योजनाएं, शिक्षा विभाग, टीकाकरण, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना,पशुपालन विभाग,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जीवन ज्योति बीमा योजना, वृक्षारोपण सहित केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं में लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि हासिल कर जरुरतमंदों को राहत प्रदान करें।

सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे चार सफाईकर्मियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे चार श्रमिकों की संदिग्ध जहरीली गैस के प्रभाव से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सांगानेर सदर थाना इलाके में सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया के ज्वैलरी जोन में सोमवार रात हुई। ये सफाई कर्मी आभूषण बनाने वाली एक कंपनी के सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे थे। सांगानेर सदर के पुलिस निरीक्षक अनिल जैमिनी ने बताया कि सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे आठ सफाईकर्मी संदिग्ध जहरीली गैस के प्रभाव में आकर अचेत हो गए। इन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने चार को मृत घोषित कर दिया। वहीं चार अन्य मजदूरों की हालत ठीक है।

उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में अभी मामला दर्ज नहीं किया गया है। पीड़ित परिवार की ओर से परिवाद दिए जाने के बाद आज प्रकरण दर्ज किया जाएगा। मृतकों के नाम संजीव पाल, हिमांशु सिंह, रोहित पाल तथा अर्पित हैं। ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि आभूषण निर्माण कार्य के दौरान रसायन युक्त पानी जो सेप्टिक टैंक में जाता है उसमें ठोस कचरे के साथ सोने-चांदी के कण मिले होते हैं। उन्होंने बताया कि यह पानी गाद के रूप में टैंक में जमा होता है जिसे निकाला जाता है और उसमें से सोने-चांदी के कणों को अलग किया जाता है।

अधिकारियों के अनुसार, इसी प्रक्रिया के दौरान यह हादसा हुआ। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, पिछले 10 दिन में ही डीग, बीकानेर और अब जयपुर में सेप्टिक टैंक एवं गटर की सफाई करते हुए 11 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार का सफाई कर्मचारियों की ओर ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट में राज्य सरकार मशीनें खरीदने की घोषणा कर चुकी है पर अभी तक वह घोषणा कागजों में है। उन्होंने पूछा आखिर सरकार की नींद कब टूटेगी?

खाटूश्यामजी के भक्तों को ट्रोले ने कुचला, 3 की मौके पर मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी से सटे मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे एक बार फिर मौत की पटरियों में तब्दील हो गया। रविवार सुबह गठवाड़ी मोड़ के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर हालत में ज़िंदगी से संघर्ष कर रहे हैं। सभी श्रद्धालु खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे, लेकिन घर से निकले तो लौटकर लाश बनकर आए।

हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार कार ओवरटेक करते हुए सामने से आ रहे ट्रोले से भिड़ गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे लोग बुरी तरह फंस गए। क्षत-विक्षत शव देखकर मौके पर मौजूद लोग सिहर उठे। हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि पुलिस और हाईवे चेतक करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंचे। देरी से पहुंची पुलिस को देखकर गुस्साए ग्रामीणों ने लापरवाही पर नाराजगी जताई और मौके पर ही हंगामा कर दिया।

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला। कुछ ने एंबुलेंस की व्यवस्था की, तो कुछ घायलों को संभालते रहे। इस मंजर को जिसने देखा उसकी आंखें नम हो गईं। किसी की बहन गई, किसी का भाई और किसी का बेटा खाटूश्यामजी की राह पर निकले श्रद्धालु मौत की राह चले गए। रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह राठौड़ ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घायलों का इलाज निम्स अस्पताल में जारी है।

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं हाईवे पर भारी वाहनों की रफ्तार पर कौन लगाम लगाएगा? क्यों हर हादसे के बाद भी ट्रैफिक नियमों की अनदेखी होती है? और कब तक श्रद्धा की राह पर निकले लोग लाश बनकर लौटेंगे?

जो लोग सुबह उम्मीदों और भक्ति के साथ घर से निकले थे, शाम होते-होते उनके घरों में मातम छा गया। खाटूश्यामजी के दरबार तक पहुंचने से पहले ही उनकी सांसें थम गईं। अब परिवार वालों के पास बस उनकी यादें बची हैं और कुछ क्षत-विक्षत तस्वीरें।

हमारा संकल्प विकसित राजस्थान : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को मंगलवार को यहां विधान सभा में पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन व देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने शिष्टाचार मुलाकात की। कुमावत ने देवनानी का दुपट्टा ओढाकर अभिनन्दन किया। कुमावत ने विधान सभा अध्यक्ष देवनानी को विभाग की पुस्तिका भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को कुमावत ने पशुपालन विभाग का संकल्प पत्र स्वस्थ पशुधन- समृद्ध गोपालन - सुदृढ अत्याधुनिक डेयरी उद्योग - दिव्य देवस्थान दृ श्रद्धा का सम्मान डायरी भी भेंट की। इसमें विभाग द्वारा किये गये विकास कार्यों का विवरण और भविष्य में विभाग में किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा बताई गई है। देवनानी ने कुमावत को पशुपालन, गोपालन, देवस्थान एवं डेयरी से संबंधित कार्यों के साथ सुमेरपुर विधान सभा क्षेत्र बहुआयामी विकास की रचनात्मक झलक प्रस्तुत करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेशवासियों के खुशहाल जीवन के लिए प्रदेश के हर कोने में बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान किया जाना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का सकंल्प राजस्थान को विकसित राज्य बनाना है।

समृद्ध सुमेरपुर - सशक्त प्रदेश का संकल्प पत्र भेंट - पशुपालन, गोपालन, देवस्थान एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों पर आधारित विकास पुस्तिका भेंट की। कुमावत ने देवनानी को बताया कि प्रदेश का बजट युवा किसान श्रमिक महिला और सभी वर्गों की उम्मीदों और आशाओं को फलीभूत करने वाला है। बजट में नवीन दुग्ध सयंत्र की स्थापना, एक हजार नवीन दुग्ध संग्रह केन्द्रों की स्थापना, छः सौ मंदिरों पर प्रमुख त्यौहारों पर आयोजन सहित सुमेरपुर के पांच हजार से अधिक आबादी के कस्बों में सीमेन्ट कन्क्रीट के अटल पथ, तख्तगढ व सुमेरपुर के निवासियों को सुद्ध पेयजल की योजनाओं की घोषणा राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने की दिशा में दृढ इच्छाशक्ति के कदम है।

मानसून से पहले सुनिश्चित हों बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को मानसून सीजन से पहले बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम जयपुर ग्रेटर एवं जयपुर हैरिटेज के अधिकारियों को सिवरेज एवं नालों की गुणवत्तापूर्ण सफाई का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने, सफाई के बाद सड़क पर जमा कीचड़ एवं गंदगी का उठाव करवाने, खुले सिवरेज के खुले चौंबर्स और मेनहोल पर ढक्कन लगावाने एवं नालों पर फैरो कवर लगवाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना के साथ-साथ मिट्टी के कट्टों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों, जेसीबी, पोकलेन, मडपंप, सहित मानव संसाधन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले तारों को कसने, झुके हुए बिजली के पोलों को सीधा करने, खुले फीडरों बंद करने, खुले तारों को दुरुस्त करने एवं लो-लाइन पैनल बॉक्स एवं ट्रांसफार्मर को ऊंचाई पर लगवाने एवं मानसून सीजन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पाइप लाइन की लीकेज दुरुस्त करने, आवश्यकता होने पर टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी बांधों पर सहज दृश्य एवं बड़े अक्षरों में अंकित चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी छोटे बड़े तालाबों पर चेतावनी बोर्ड लगावाने के निर्देश दिये। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को रपट क्षेत्र एवं लो-लाइन एरिया की टूट, रेलिंग एवं जंजीर को दुरुस्त करवाने, बांधों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत करवाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि होने पर भूमि कटाव और जलभराव से निपटने एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए।

जिला कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने यहां बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर ले एवं उन पर पूरी जानकारी रखने वाले अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, रसद विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, वन विभाग, नगर निगम, जेडीए, जयपुर मैट्रो, गृह सुरक्षा, शिक्षा, पशुपालन सहित अन्य कई विभागों के अधिकारियों को भी मानसून के दौरान विभागीय स्तर पर अपेक्षित समस्त इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश प्रदान किए।

बांसवाड़ा के रास्ते राजस्थान में प्रवेश करेगा मानसून, जून के दूसरे सप्ताह में हो सकती है पहली बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश में अपने निर्धारित समय से 8 दिन पहले दस्तक दे दी है। यह अब मुंबई तक भी पहुंच गया है। ऐसे में अब संभावना है कि मानसून जून के दूसरे सप्ताह तक बांसवाड़ा के रास्ते राजस्थान में भी प्रवेश कर लेगा। बांसवाड़ा को राजस्थान का चेरापूंजी कहा जाता है। राज्य में सबसे अधिक बारिश इसी जिले में दर्ज की जाती है। मानसून का प्रवेश भी पिछले कई वर्षों से बांसवाड़ा के रास्ते ही होता रहा है। इस बार भी यही संभावना है कि इसी रास्ते राजस्थान में मानसूनी बादल अपनी मेहर बरसाएंगे। यहां बारिश का सामान्य औसत 992 मिलीमीटर है। वर्ष 2024 में 1084.78 मिलीमीटर बरसात हुई थी। जिले में होने वाली बारिश को नापने के लिए 14 विभिन्न स्थानों पर वर्षामापी केंद्र स्थापित किए गए हैं।

राजस्थान के बांसवाड़ा-डूंगरपुर जिलों में यह मान्यता भी रही है कि मुंबई में बारिश होने के 7 से 10 दिन के भीतर यहां भी बारिश शुरू हो जाती है। चूंकि इस वर्ष मुंबई में मानसून समय से पहले आया है। ऐसे में यदि इन मान्यताओं पर गौर करें तो आगामी एक पखवाड़े के भीतर वागड़ में प्री मानसून शुरू हो जाएगा। सोमवार शाम भी डूंगरपुर में तेज बौछारें गिरीं, वहीं बांसवाड़ा में रात्रि में आसमान में बादलों ने डेरा डाल दिया। मंगलवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं, हालांकि वातावरण में उमस है। कृषि अनुसंधान केंद्र के संभागीय निदेशक डॉ. हरगिलास के अनुसार मुंबई में मानसून एक पखवाड़ा पहले आ गया है। ऐसे में इस बार वागड़ में भी बरसात जल्द आएगी। किसानों को खरीफ फसल के लिए अपने खेत तैयार करना शुरू कर देना चाहिए।

मानसून सीजन में बांसवाड़ा पर्यटन की दृष्टि से देश में छठा डेस्टिनेशन माना जाता है। बरसात के बाद यहां प्रकृति अपना भरपूर सौंदर्य लुटाती है। हरी-भरी पहाड़ियां, मीलों तक अथाह जलराशि से पूर्ण माही बांध, अनेक लघु बांध और ऊंची पहाड़ियों के साथ यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारा जा सकता है।

पुलिस उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को उदयपुर जिले के प्रतापनगर थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक राजेश कुमार मीणा को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी चौकी स्पेशल यूनिट उदयपुर को परिवादी ने सोमवार को शिकायत की कि पुलिस थाना प्रतापनगर के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक द्वारा परिवादी को पुलिस थाना प्रतापनगर उदयपुर पर दर्ज प्रकरण में उसके एवं उसकी कार का नाम निकालने की एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है एवं रिश्वत नहीं देने पर जेल में बंद करने की धमकी दी गई है। इस पर रिश्वत मांग सत्यापन रूबरू वार्ता कराई गई। जिसमें आरोपी द्वारा परिवादी से 15 हजार रुपए की मांग करते हुए 10 हजार रुपए लेने की सहमति देने की पुष्टि हुई। आरोपी राजेश मीणा निवासी गांव बडापाल, देवल पुलिस थाना सदर जिला डूंगरपुर हाल सहायक उप पुलिस निरीक्षक, प्रतापनगर थाना, जिला उदयपुर को परिवादी से अपनी मांग अनुसार 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों पकड़ लिया गया और रिश्वत राशि बरामद की गई।

राज्य में नगरीय निकायों के पुर्नगठन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत। मंत्रिमण्डल सचिवालय, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में राज्य में नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्राप्त प्रस्तावों को लेकर परीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में अजमेर, कोटा, उदयपुर और

बीकानेर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं गहन चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है कि जोधपुर, भरतपुर एवं जयपुर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर मंत्रीमण्डलीय उप समिति की अगली बैठक बुधवार को आयोजित की जायेगी। इस बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव इन्द्रजीत सिंह सहित अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राजस्थान पर 413 ड्रोन हमले हुए, सभी को निष्प्रभावी किया गया : बीएसएफ आईजी

जोधपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक (राजस्थान फ्रंटियर) एमएल गर्ग ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान ने बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर जिलों में 413 ड्रोन हमले किए लेकिन उन सभी को भारत की हवाई रक्षा प्रणाली ने हवा में ही नाकाम कर दिया। जोधपुर स्थित बीएसएफ मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में गर्ग ने पश्चिमी सीमा पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने फलौदी वायुसेना अड्डे सहित राजस्थान के संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाया लेकिन सेना ने सटीक समय पर, जहां और जब जरूरत थी जवाब दिया।

गर्ग ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाली मिसाइलें और ड्रोन खाली नहीं थे लेकिन उनमें से एक भी भारतीय जमीन को नहीं छू सका और न ही वे यहां किसी भी सैन्य या नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा सके। गर्ग ने कहा, उनके ज़मीन पर पहुंचने से पहले ही हमारी मिसाइल रोधी तकनीक और हवाई रक्षा प्रणालियों ने उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया।

बाल विवाह, बहुविवाह और दहेज प्रथा की

कुरीतियों पर प्रहार है सामूहिक विवाह योजना : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए और कहा कि सामूहिक विवाह योजना बाल विवाह, बहु विवाह और दहेज प्रथा की कुरीतियों पर करारा प्रहार है।

यहां जारी एक अधिकारिक बयान के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो वह विकास और गरीब कल्याण के कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। मुख्यमंत्री हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह'' में बोल रहे थे।

उप्र सरकार ने सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रति जोड़ा आर्थिक सहायता राशि 51 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दी गयी है। बढ़ी हुई धनराशि के साथ आज यह पहला आयोजन था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वास्तविक सरकार वही है जो जनता के घर जाकर उनकी समस्याओं का समाधान निकाल सके।

''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का ही एक अभियान है। यह कार्यक्रम ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना'' की अगली कड़ी है। यह बाल विवाह, बहुविवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी प्रहार है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में सरकार द्वारा निर्धनों की पीड़ा को समाप्त करने के लिए बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए ''मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना'' चलायी गयी, जो आज भी सफलतापूर्वक चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''कन्या सुमंगला योजना'' में शिक्षा के लिए उचित व्यवस्था के बाद बेटी की शादी के लिए सरकार द्वारा ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'' चलायी गयी।

उन्होंने कहा कि आज गरीब अभिभावक को बेटी के विवाह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'' के तहत सरकार गरीब कन्या का विवाह कराने का भी कार्य कर रही है।

एरोल मस्क जून में अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन करेंगे: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति कारोबारी एलन मस्क के पिता एरोल मस्क जून में अपने भारत दौरे के दौरान अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन करेंगे। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह घरेलू कंपनी सर्वोटेक के वैश्विक सलाहकार बोर्ड में शामिल हैं।

एरोल ने भारत यात्रा के दौरान व्यापार से जुड़ी विभिन्न बैठकों में भाग लेने का कार्यक्रम बनाया है। उनका पांच दिवसीय भारत यात्रा एक जून से शुरू होकर छह जून तक चलेगी, जिसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होंगे। इस घटनाक्रम से अवगत लोगों ने कहा, ''(एरोल) मस्क के दौरे में ऐसे कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका मकसद भारत को हरित प्रौद्योगिकियों और ईवी चार्जिंग अवसंरचना निर्यात में वैश्विक अगुवा बनने के रणनीतिक प्रयास को बढ़ावा देना है।'' सूत्रों के अनुसार, ''एक जून को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने वाले मस्क दो जून को कंपनी के एक कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, निवेशकों, व्यापारिक नेताओं और विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ नौकरशाहों से मिलेंगे।''

उन्होंने बताया कि मस्क की यात्रा में हरियाणा के सफियाबाद में सर्वोटेक की सौर और ईवी चार्जर विनिर्माण इकाई का दौरा भी शामिल है, जहां राज्य के मंत्रियों और नौकरशाहों के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा, ''मस्क श्री राम लला से आशीर्वाद लेने के लिए राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या भी जाएंगे, जो भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाता है।''

अयोध्या के राम मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का काम शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के भव्य मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का काम शुरू हो गया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि इस मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का काम शुरू हो गया है जिसके अगले दो से तीन सप्ताह में पूरा हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह काम पूरी तरह से तय प्रक्रियाओं और सुरक्षा मानकों के अनुसार हो। इस काम के लिए नियुक्त विशेषज्ञ अयोध्या पहुंच चुके हैं और सोने की परत चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।''

मिश्रा ने कहा कि मौजूदा निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमने मुख्य रूप से मंदिर के द्वार, सभा भवन और अतिथि गृह (के कार्य) की प्रगति की समीक्षा की है। मंदिर का पहला द्वार अब 30 जून तक बनकर तैयार हो जाएगा। पहले इसे मई में पूरा होना था, लेकिन कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण द्वार को फिर से बनाना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि गेट नंबर 11 अगस्त तक पूरा हो जायेगा और उसके बाद गेट नंबर तीन का काम शुरू होगा। मिश्रा ने बताया कि राम, लक्ष्मण और सीता की मूर्तियां आ गई हैं एवं उन्हें मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक सुनियोजित रणनीति तैयार की गई है और उसी के अनुसार काम चल रहा है।

मिश्रा का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़े धार्मिक समारोह तीन जून से पांच जून तक आयोजित किये जाएंगे, जो मुख्य निर्माण के अंतिम चरणों के साथ मेल खाते हैं, फिर रखरखाव का काम शुरू होगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार मंदिर परिसर में शेष निर्माण कार्य सितंबर या अक्टूबर तक पूरा होने की संभावना है। परिसर के भीतर सप्त मंदिर पहले ही बनकर तैयार हो चुका है और वहां ऋषियों की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। मिश्रा ने कहा, ''राम मंदिर निर्माण का यह चरण आस्था और भव्यता का प्रतीक बन रहा है।साथ ही राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है।''

अयोध्या में विद्युत विभाग ने ट्रेड यूनियन के नेता पर 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में विद्युत विभाग ने श्रमिक संघ के नेता पर कर्मचारियों की बर्खास्तगी के खिलाफ आंदोलन करने को लेकर 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। अयोध्या के विद्युत वितरण खंड के मुख्य अभियंता (वितरण) अशोक कुमार चौरसिया ने कर्मचारी संघ के नेता को नोटिस जारी कर 1,500 बिजली कर्मचारियों की बर्खास्तगी के विरोध में 'धरना-प्रदर्शन' करने को लेकर 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भरने को कहा है। 'विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश' की अयोध्या इकाई के जिला अध्यक्ष जय गोविंद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्हें चौरसिया द्वारा हस्ताक्षरित एक नोटिस मिला है, जिसमें 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भरने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि इतिहास में किसी भी विभाग या न्यायालय द्वारा ऐसा नोटिस नहीं दिया गया है। जब मुख्य अभियंता से यह पूछा गया कि उन्होंने किस कानून की धारा तहत जुर्माना लगाने का नोटिस जारी किया है तब उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,''मुझे कोई धारा या कानून नहीं पता है, मैंने सिर्फ नोटिस जारी किया है। कानून की धाराएं पुलिस और न्यायालय तय करेंगे।''

मंदिरों को सरकारी प्रशासन के भ्रष्टाचार से बचाया जाए : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को मंदिरों के प्रबंधन में सरकारी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि मंदिरों को सरकारी प्रशासन के भ्रष्टाचार से बचाया जाए।

सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मथुरा के एक मंदिर से जुड़ी 51 सेकेंड की वीडियो रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि मंदिरों को सरकारी प्रशासन के भ्रष्टाचार से बचाया जाए। वीडियो रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मथुरा में बांके बिहारी मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया गया है। यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार पर बेहतर प्रशासन के बहाने देश भर के प्रमुख मंदिरों पर परोक्ष नियंत्रण का आरोप लगाया। अपने लंबे पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सभी बड़े मंदिरों पर सरकार के प्रबंधन के बहाने भाजपा और उनके संगी-साथी अप्रत्यक्ष रूप से अपना क़ब्ज़ा करते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जो परंपरागत रूप से सैकड़ों सालों से इन मंदिरों के प्रबंधन-संचालन में आस्था से अपने कर्तव्य निभाते आ रहे हैं, उनसे उनके सेवा-भाव के अधिकार छीने जा रहे हैं, साथ ही उनपर अविश्वास प्रकट करते हुए एक तरह से यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि वे इस काम में सक्षम नहीं है या फिर उनका संचालन त्रुटिपूर्ण है।''

यादव ने पूर्ववर्ती व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि मंदिरों में श्रद्धालु जो दान-पुण्य करते हैं, उसका सदुपयोग मंदिर में दर्शन, प्रसाद-भेंट, सुरक्षा, जन सुविधा, धर्मशाला आदि धर्मार्थ कार्यों में होता आया है और सेवा-भाव से भरा आस्थावान प्रबंधन यही सुनिश्चित करता है, क्योंकि उनका ऐसे धर्म-कर्म से एक बहुत गहरा एवं भक्ति भावना से भरा लगाव होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग बाहरी होते हैं या पेशेवर होते हैं, वे इन सब 'धार्मिक-निवेश' को लाभ-हानि की तराज़ू पर तौलते हैं, उनके लिए यह श्रद्धा का विषय नहीं होता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे (कई) प्रकरण उपलब्ध हैं जब ऐसे प्रशासनिक लोगों ने मंदिर में चढ़ाये गये बेलपत्रों तक को बेचकर भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, ''कारोबारी भाजपा और उनके धन-लोलुप संगी-साथी याद रखें कि धर्म भलाई के लिए होता है, कमाई के लिए नहीं।

यादव ने यह भी कहा कि यह अनायास नहीं है कि जबसे भाजपा आई है एक के बाद एक मंदिरों पर 'प्रशासनिक क़ब्ज़ा' होता जा रहा है, जबकि यह देश की सांस्कृतिक-धार्मिक परंपरा के विरुद्ध है।

असम में 2026 तक बाल विवाह कुरीति को खत्म कर देंगे: मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में 2026 तक बाल विवाह कुरीति को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया गया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार शर्मा ने कहा कि असम सरकार द्वारा बाल विवाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने का नतीजा है कि 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के 35 जिलों में से 20 जिलों में इस तरह के मामलों में 81 प्रतिशत की कमी आयी है। शर्मा ने कहा कि रविवार को यहां आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन के दौरान बाल विवाह को खत्म करने के असम के अभियान की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में बाल विवाह को खत्म करने के लिए असम सरकार के ''जोरदार और अथक'' प्रयासों के लिए केंद्रीय मंत्रियों, अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और खुद मोदी से काफी सराहना मिली।

विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री ने राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बाल विवाह कुरीति को खत्म करने के लिए असम मॉडल का अनुकरण करने को कहा। इसमें कहा गया कि मोदी ने अधिकारियों से असम का दौरा करने को भी कहा ताकि वे इसका प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकें कि राज्य ने बाल विवाह को कैसे खत्म किया है।

ओडिशा के बौध में सुरंग के पास

मिट्टी धंसने की घटना रेलवे की 'लापरवाही' के कारण हुई: दास

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बौध ज़िले में खुर्दा-बलांगीर रेलवे परियोजना के तहत निर्माणाधीन सुरंग के ऊपर मिट्टी धंसने की घटना रेलवे की लापरवाही के कारण हुई है। यह घटना सोमवार दोपहर बौध जिले के हरभंगा खंड के अदेनीगढ़ इलाके में हुई। हालांकि, इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना निर्माण स्थल पर मिट्टी के भुरभुरी होने तथा लगातार बारिश के कारण हुई।

दास के नेतृत्व में कांग्रेस की ओडिशा इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को सुरंग स्थल का दौरा किया। कांग्रेस की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि यह घटना रेलवे की लापरवाही के कारण हुई क्योंकि उन्होंने इस परियोजना को बहुत ही हल्के में लिया। उन्होंने कहा, यह रेलवे की ओर से बड़ी गलती है। मैं इसके लिए रेल मंत्री और संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार मानता हूं, जिन्हें मिट्टी की गुणवत्ता की जांच करनी थी। कांग्रेस नेता ने कहा, रेल मंत्री इसके लिए जिम्मेदार हैं, क्योंकि उनके मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद देश भर में ऐसी कई दुर्घटनाएं हुई हैं।

राजद नेता तेजस्वी, उनकी पत्नी राजश्री दूसरी बार माता-पिता बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री मंगलवार को दूसरी बार माता-पिता बने। राजश्री ने मंगलवार को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने सोशल मीडिया के जरिये यह खबर साझा की।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा, ''सुप्रभात! इंतजार आखिरकार खत्म हुआ! हमारे नन्हे बेटे के आगमन की घोषणा करते हुए बहुत आभारी, धन्य और प्रसन्न महसूस कर रहा हूं। जय हनुमान!'' उन्होंने बच्चे की एक तस्वीर भी साझा की। उनके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि बच्चे का जन्म कोलकाता के एक निजी अस्पताल में हुआ, जहां राजश्री पिछले कुछ दिनों से भर्ती थीं। उनकी एक बेटी भी है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी कोलकाता पहुंचे और हवाई अड्डे पर उतरने के बाद सीधे अस्पताल निकल गए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कोलकाता के अस्पताल में पहुंची और तेजस्वी यादव से मिलीं।

कानूनी लड़ाई जारी रहेगी : ममता

लेकिन न्यायालय के निर्देशानुसार नई शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार शिक्षकों की नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी, साथ ही नौकरी गंवाने वालों की बहाली के लिए पुनर्विचार याचिका भी दायर करेगी।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि जिन शिक्षकों की नौकरी चली गई है, उन्हें नई भर्ती प्रक्रिया में उनके अनुभव और आयु में छूट का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई भर्ती के लिए अधिसूचना 31 मई तक जारी की जाएगी। बनर्जी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि जिन शिक्षकों की नौकरी चली गई है, उन्हें वापस नौकरी मिल जाए। लेकिन हमें 31 मई तक अधिसूचना जारी करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का भी पालन करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''पुनर्विचार याचिका और अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया दोनों एक साथ चलेंगी।''

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में

भाकपा (माओवादी) कमांडर मारा गया

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) का एक कमांडर मारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार मुठभेड़ में एक अन्य माओवादी घायल हुआ है और उस पर 15 लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस ने कहा कि मुठभेड़ के बाद तलाश अभियान के दौरान एक 'सेल्फ लोडिंग राइफल' (एसएलआर) समेत कई हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि सोमवार को हुसैनाबाद के बरवाही और नईया गांवों के बीच सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई।

सवालों से ध्यान भटकाने के लिए

नेहरू-विरोध में लगे हैं तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने के महारथी: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि 'स्वयंभू सर्वोच्च नेता' और इतिहास के 'मास्टर डिस्टोरियन' (तोड़ने-मरोड़ने के महारथी) गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू-विरोध में सक्रिय हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान 'संघर्षविराम' पर पिछले 11 दिनों में 8 बार दिए गए बयानों पर हमारे प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं? रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है और आज के दिन भी देश के स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने वाले 'मास्टर डिस्टोरियन' नेहरू-विरोध में सक्रिय हैं। यह बेहद दुखद और निंदनीय प्रयास है उन गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आखिर क्यों पहलगाम में हुए क्रूरतम आतंकी हमले के दोषी आतंकी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि खबरों के मुताबिक वही आतंकी पुंछ (दिसंबर 2023), गंगगीर (अक्टूबर 2024) और गुलमर्ग (अक्टूबर 2024) के हमलों में भी शामिल थे?

लापता मंदबुद्धि महिला को सात साल बाद परिजन से मिलवाया, मृत मान चुके थे वे

बरेली (उप्र)/भाषा। कासगंज के गद्दयान मुहल्ले के रहने वाले मोहम्मद ताहिर के घर में खुशी का माहौल है। हो भी क्यों न, आखिर सात साल पहले लापता हुई अपनी जिस बहन को उन्होंने मृत मान लिया था वह बरेली के एक मनोचिकित्सक की मदद से परिवार से आ मिली है। मानसिक रूप से कमजोर 55 वर्षीय शबाना सात साल किसी रिश्तेदार के यहां से लापता हो गयी थी। तमाम कोशिशों और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद जब वह नहीं मिली तो परिजन ने उसे मृत मान लिया था और मौत के बाद होने वाली रस्में भी अदा कर चुके थे। मगर सात साल बाद शबाना अब परिवार के साथ है। इसका श्रेय काफी हद तक बरेली के मनोचिकित्सक शैलेश शर्मा को जाता है।

राहुल गांधी, कांग्रेस 'झूठ और फरेब के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को राहुल गांधी पर ''आयातित टूलकिट'' का इस्तेमाल कर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेता के इस दावे की निंदा की कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर 'उपयुक्त नहीं पाया गया' घोषित किया जा रहा है ताकि उन्हें शिक्षा और नेतृत्व से दूर रखा जा सके।

प्रधान ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश में ''झूठ और फरेब के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर'' बन गए हैं और यह कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार है जिसने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी आबादी को धोखा दिया है, लेकिन ''शहजादे'' अपने ''शाही परिवार के इतिहास'' से अनजान हैं। उन्होंने कहा, ''यही कारण है कि कांग्रेस आए दिन आयातित टूलकिट पर आधारित झूठ से भरी पोटली लेकर हाजिर हो जाती है।'' उन्होंने 2014 से

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के दौरान इन समुदायों के सफल आवेदकों की तुलना 2004-14 के बीच कांग्रेस के शासन के आंकड़ों से करते हुए यह बात कही। इससे पहले मंगलवार को राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के छात्रों के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो साझा किया था।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' 'उपयुक्त उम्मीदवार नहीं पाया गया' अब नया मनुवाद है। एससी /एसटी/ओबीसी के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर 'अयोग्य' ठहराया जा रहा है-ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व से दूर रहें।'' प्रधान ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्तियों के आंकड़ों के साथ राहुल गांधी के दावे का खंडन किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राहुल गांधी का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा, ''कांग्रेस के शाही परिवार ने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी को छला है, लेकिन शहजादे को वंचितों और दलित विरोधी अपने परिवार के इतिहास का पता नहीं है। यही कारण है कि कांग्रेस हर दिन एक आयातित टूलकिट के आधार पर शहजादे के लिए झूठ से भरी पोटली लेकर हाजिर हो जाती है।''

उन्होंने कहा, लंबे समय तक शासन करने के बाद भी कांग्रेस ने दलित, पिछड़ों और शोषितों को उनके अधिकारों से वंचित रखा।

बीसीसीआई ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों को आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों' को सलामी दी जाएगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक मीडिया बयान में यह घोषणा की। सैकिया ने मंगलवार को पीटीआई से कहा, ''हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है।'' सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा' को सलाम करता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों' की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा की और उसे प्रेरित किया।

सैकिया ने कहा, ''उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जबकि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है लेकिन हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़ा कुछ भी नहीं है।''

सुविचार

हमारे पास एक विकल्प है या तो हम अपने भविष्य को आकार दे सकते हैं, या घटनाओं को हमारे लिए आकार दे सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फर्जीवाड़े की पराकाष्ठा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर 'फेल्ड' मार्शल बनने के साथ ही फर्जीवाड़े के उस्ताद भी निकले हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सशस्त्र बलों के प्रहार से पाकिस्तान के कई आतंकी अड्डे और सैन्य ठिकाने ध्वस्त हो गए, लेकिन मुनीर ने अपने प्रधानमंत्री को जो तस्वीर भेंट की, वह तो फर्जीवाड़े की पराकाष्ठा थी। उन्होंने चीनी फौज द्वारा अगस्त 2018 में किए गए एक अभ्यास की तस्वीर को अपनी नकली बहादुरी से जोड़कर प्रचारित कर दिया। इस दौरान मुनीर भी मुस्कुरा रहे थे, शहबाज शरीफ भी मुस्कुरा रहे थे। इसलिए नहीं कि दोनों ने कोई अज़ीम फ़तह हासिल की थी, बल्कि इसलिए कि दोनों ही पाकिस्तानी जनता की आंखों में धूल झोंकने में कामयाब रहे। तस्वीर फर्जी थी, इसकी जानकारी दोनों को जरूर रही होगी, क्योंकि वे इस तथ्य अवगत हैं कि उसमें दिखाई दे रही सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से कभी नहीं हुई। पाक ने पहली बार ऐसा फर्जीवाड़ा नहीं किया है। याद करें, साल 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोधी ने एक लड़की की तस्वीर लहराते हुए दावा किया था कि वह कश्मीर में भारतीय सेना की पैलट गन से घायल हुई थी। हालांकि जल्द ही खुलासा हो गया था कि वह लड़की फिलिस्तीनी थी और कुछ साल पहले इजराइली गोलीबारी से घायल हुई थी। इससे पाकिस्तान की खूब किरकिरी हुई थी। इस बार आसिम मुनीर, मलीहा लोधी से काफी आगे निकल गए हैं। उन्होंने अपनी फौज की शिकस्त के बावजूद फर्जी तस्वीर भेंट करने का जो हौसला दिखाया, वह दुर्लभ है। हालांकि मुनीर का दुर्भाग्य रहा कि भारत में कई लोगों ने चुटकियों में इस तस्वीर की पोल खोल दी। अगर वे ऐसा न करते तो यह झूठ काफी हद तक चल जाता।

पाकिस्तान के संबंध में एक बात हमें स्वीकार करनी होगी कि वह झूठ गढ़ने में महारत रखता है। उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय मीडिया और नागरिकों को भ्रमित करने के लिए बहुत सारे फर्जी वीडियो वायरल किए थे। ऐसा करने के लिए कई वर्षों की तैयारी चाहिए, क्योंकि सूचनाएं इकट्ठी करनी होती हैं, खुराफाती तरीके ढूंढने होते हैं; तब जाकर ऐसा माहौल बनता है कि बड़े-बड़े बुद्धिजीवी भी झूठ को सच मान लेते हैं। छह मई के बाद पाकिस्तानी मीडिया, खासकर उर्दू अख़बारों और समाचार चैनलों में कई हास्यास्पद झूठ फैलाए गए थे। आज भी फैलाए जा रहे हैं। पाकिस्तानी जनता उन पर विश्वास कर रही है। विदेशों में रहने वाले कई पाकिस्तानी पत्रकार एवं यूट्यूबर तो यह कहने लगे हैं कि इस संपूर्ण घटनाक्रम का आसिम मुनीर ने भरपूर फायदा उठाया है। स्थानीय मीडिया शहबाज शरीफ की उपेक्षा कर रहा है, लेकिन मुनीर को इस तरह पेश कर रहा है, गोया वे नहीं होते तो पाकिस्तान का अस्तित्व ही न रहता। पाकिस्तानी जनता अंग्रेजी मीडिया को ज्यादा महत्त्व नहीं देती। वह उर्दू में आने वाली सूचनाओं पर बहुत भरोसा करती है। आज ऐसे सशक्त माध्यम की जरूरत महसूस की जा रही है, जो उर्दू में पाकिस्तानी फौज की पोल खोले। अगर ऐसा होता तो इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, रावलपिंडी में जो लोग पाकिस्तान की झूठी फतह की मिठाइयां खा रहे हैं, वे जीएचक्यू के सामने मुनीर का इस्तीफा मांग रहे होते। जब वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान बुरी तरह हारा था तो जनता का गुस्सा फूट पड़ा था। उसने फर्जी ख़बरें छापने वाले मीडिया पर धावा बोल दिया था। शराब की कई दुकानें तोड़ दी थीं, चूंकि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल याह्या ख़ान नशे के आदी थे। उसके बाद कुछ पत्रकारों ने पाकिस्तानी फौज की पोल खोली, जिससे याह्या और उनकी मंडली के दुर्दिन शुरू हो गए थे। लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी समेत कई सैन्य अधिकारियों को मिले सम्मान वापस ले लिए गए थे। याह्या भी इस लपेटे में आए थे। हमें भविष्य में रावलपिंडी के जनरलों की पोल खोलने के लिए पुख्ता इंतजाम करने होंगे, ताकि उनकी जनता ही उनसे हिसाब मांगे।

ट्वीटर टॉक

1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर, मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया।

-नरेन्द्र मोदी

जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान चार सफाईकर्मियों की दम घुटने से हुई दर्दनाक मृत्यु अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। इस दुःखद समय में मेरी संवेदनाएं परिवारजनों के साथ है।

-टीकाराम जूली

आज राजस्थान में कानून-व्यवस्था चौपट हो चुकी है। हर जिले से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं पर ऐसा लगता है राज्य सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। राजस्थान को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। आखिर कब तक सहेगा राजस्थान?

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

बदलाव के अगुवा

एक बार भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने स्त्री शिक्षा के लिए 'बालाबोधिनी' नामक पत्रिका का प्रकाशन, संपादन तथा प्रसार आरंभ किया। वह घर-घर जाकर यह पत्रिका खुद वितरित किया करते थे। उनके कुछ सगे-संबंधी उनको समझाने लगे कि पैतृक संपत्ति को इस तरह एक मामूली पत्रिका के लिए बर्बाद कर रहे हो। संभल जाओ। मगर भारतेंदु अपने संकल्प पर अडिग थे। रूढ़ि और अज्ञानता के कुचक्र में फंसी अपने समाज की हर महिला को शिक्षित करने का वह मन ही मन व्रत ले चुके थे। आज भी समूल नवजागरण की बात होती है तो भारतेन्दु हरिश्चंद्र के बगैर यह विषय अधूरा रहता है। उस समय लोग जहां रुपये खर्च करने को अपव्यय या असंयम मानते थे, वहीं भारतेन्दु ने हिंदी को एक नया स्वरूप प्रदान किया। समाज को नये विचार दिये। मात्र पैंतीस साल का कुल जीवन जिया मगर नाटक, निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, दोहा, ग़ज़ल, यात्रा संस्मरण जैसे नये-पुराने रूपों से हिंदी को उच्चादर्श तक पहुंचने वाले भी भारतेन्दु ही थे।

सामयिक

दुनिया भर में गए प्रतिनिधिमंडलों के उद्देश्य व्यापक

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

इस समय सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सात समूहों में दुनिया के अलग-अलग 33 देश की यात्राओं पर है। इसके साथ विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने और अनुभवी राजनयिक भी हैं। स्वाभाविक ही आवश्यकता अनुसार विदेश मंत्रालय की ओर से भी प्रतिनिधि हैं और यात्रा से संबंधित देशों का दूतावास भी पूरी तरह इनके साथ लगा है। 23 में से 3 जून तक या प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर रहेगा। सामान्य तौर पर इसका लक्ष्य यही बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके पूर्व पहलगाम हमले को केन्द्र में रखते हुए पाकिस्तान की दुर्नीतियों, संपूर्ण आतंकवादी विषयों पर भारत का पक्ष सविस्तार रखने के साथ उन्हें अपने पक्ष से सहमत कराने की भी कोशिश होगी। हालांकि विपक्ष के सांसद इसमें शामिल है किंतु जिस तरह की आवाजें उठीं वह इस विषय अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के संदर्भ में भी भारत की अपरिहार्य आंतरिक राजनीतिक एकता के विपरीत था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स पर लंबा चौड़ा पोस्ट करते हुए इसे प्रधानमंत्री की विदेश नीति और कूटनीति की सफलता का प्रतिबिंब बता दिया। उन्होंने कहा कि आज उन्हें मजबूर होकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस ,तृणमूल आदि पार्टियों की समस्या यह भी थी कि हमसे बिना पूछे हमारे सांसदों को क्यों शामिल किया गया और जिन्हें हम नहीं चाहते थे वे उसमें क्यों है? इस विषय पर दो राय हो सकते हैं पर सरकार को भी यह अधिकार होना चाहिए कि ऐसे मामलों में सूक्ष्मता से योग्यता के आधार पर सांसदों का चयन कर उन्हें विदेश भेजा जाए और चूंकि सभी सांसद उनकी पार्टियों के ही हैं इसलिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में अत्यंत कठिन समय में भी ऐसे राजनीतिक विवेक की अपेक्षा हम नहीं कर सकते। बहरहाल इस विषय को छोड़ आगे बढ़ते हैं।

यह इतिहास का अब तक का सबसे व्यापक सामग्र और अभूतपुर प्रतिनिधि मंडल है। पूर्व में एक साथ इतने समूहों में अधिक देशों को समाहित करते हुए संपूर्ण सर्वांग पक्षों के साथ प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजा नहीं गया था। साफ है कि इसके उद्देश्य आम समझ से ज्यादा व्यापक होंगे और यह पूरी तरह इस समय स्पष्ट भी नहीं हो सकता। इसकी योजना कितनी सूक्ष्मता और व्यापक विचार विमर्श के बाद बनाया गया है यह इससे पता चलता है कि पाकिस्तान की मदद करने वाले तीन देशों तुर्किया, चीन और अज़रबैजान शामिल नहीं है। यानी उन देशों पर समय नष्ट क्यों करें जो हमारी बात न सुनेंगे न समझेंगे। देशों के चयन की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच अस्थायी सदस्यों में से चीन को छोड़ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस शामिल हैं। साथ ही 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान और सोमालिया को छोड़ अन्य आठ अल्जीरिया, डेनमार्क , दक्षिण कोरिया, सियरा लियोन, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया और ग्रीस भी शामिल हैं। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं चीन के अलावा सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्यों के प्रमुखों से बातचीत की थी। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर भी 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान को छोड़कर और नौ के विदेश मंत्रियों से बातचीत कर चुके हैं। भारतीय प्रतिनिधि मंडल इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी यानी इस्लामिक सम्मेलन संगठन के भी कई देशों की यात्रा करेंगे। इनमें कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और मिश्र हैं। प्रधानमंत्री पहलगाम हमले के समय प्रधानमंत्री सऊदी अरब की यात्रा पर थे और वहां से बीच में उन्हें वापस आना पड़ा। सऊदी अरब पाकिस्तान का भी मित्र देश है लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही थी। ओआईसी देश जम्मू कश्मीर पर बीच-बीच में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कर देते हैं। इस संगठन ने ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध भी बयान जारी किया था। तो यह आवश्यक है कि उनसे भी संपर्क करके अपनी बात बताई जाए।

यह सोच ही निराधार है कि ऑपरेशन सिंदूर विषय पर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत का पक्ष कमजोर है इसलिए हमें प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच, उसके पहले तथा बाद में भी हमारी कूटनीति एक क्षण के लिए रुकी नहीं। संपूर्ण विश्व में विदेश मंत्री, विदेश सचिव, अन्य अधिकारी स्वयं प्रधानमंत्री बातचीत करते रहे। विश्व के किसी प्रमुख देश ने भारत की कार्रवाई का न विरोध किया और न एक प्रतिकूल बयान दिया। विश्व के प्रमुख देशों का चरित्र है कि जब आतंकवादी हमले होंगे वे इसके विरुद्ध बयान जारी करेंगे, साथ होने की भी घोषणा करेंगे किंतु जब आप साहस के साथ पराक्रम और पुरुषार्थ दिखाते हुए सीमा पार कर कार्रवाई करेंगे तो कोई सक्रिय साथ देने नहीं आएगा। कुछ देशों की छाती फटेगी और युद्ध रोकिए युद्ध रोकिए की आवाज उठेगी। वही हुआ है। भारत का संकल्प अटूट है। प्रधानमंत्री ने स्वयं ऑपरेशन सिंदूर को अखंड प्रतिज्ञा कहा है। भारत की घोषणा दो टूक है, आतंकवादी कार्रवाई युद्ध मानी जाएगी, पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा न बातचीत और उसने आतंकवाद नहीं रोका तथा सैन्य दुस्साहस किया तो हम इससे ज्यादा शक्ति से कार्रवाई करेंगे। पाकिस्तान इस्लाम या मजहब के नाम पर भी दुनिया में गलतफहमी न पैदा कर सके न कोई देश या वैश्विक संगठन आरोप लगाये कि भारत सभी को नजरअंदाज कर स्वयं ताकत यानी दादागिरी की तरह कार्रवाई कर रहा है। व्यापक प्रतिनिधिमंडल विश्व के विस्तृत क्षेत्रों में जाने का अर्थ ही है कि भारत भविष्य में आतंकवाद को जड़ मूल से नष्ट करने तक पाकिस्तान के विरुद्ध लंबी सतत करवाई की तैयारी कर चुका है।

इस यात्रा के उद्देश्यों को समझने की दृष्टि से कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा न्यूयॉर्क में दिए गए विस्तृत वक्तव्य के कुछ बातों का उल्लेख प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए हम अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए अकेले रह सकते हैं लेकिन पाकिस्तान भारत के नियंत्रण वाले क्षेत्र को लेने की लालसा रखता है और चूंकि युद्ध से नहीं जीत सकता तो आतंकवाद के द्वारा कोशिश कर रहा है। पठानकोट हमले के बाद भारत ने संयुक्त जांच के तहत उनके एजेंसियों को भारत आने की अनुमति दी लेकिन उन्होंने अपने देश में जाकर कहा कि भारत ने हीं हमला करवाया। पाकिस्तान के पास यह दिखाने का आखिरी मौका था कि वे आतंकवाद को खत्म करने के लिए गंभीर थे, जैसा कि उन्होंने हर बार दावा किया था कि वे थे। जरुर की ये पंक्तियां देखिए- अब हम इस बात के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि इस मामले में कोई नया निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए। हमने सबकुछ आजमा लिया है, अंतरराष्ट्रीय डोजियर, शिकायतें...सब कुछ आजमा लिया गया है। पाकिस्तान इंकार करता रहा है, किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया, कोई गंभीर आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया गया, उस देश में आतंकी ढांचे को खत्म करने का कोई प्रयास नहीं किया गया, और सुरक्षित पनाहगाहें बनी रहीं...आप (पाकिस्तान) ऐसा करें, आपको यह वापस मिलेगा और हमने इस ऑपरेशन (ऑपरेशन सिंदूर) के साथ यह दिखा दिया है कि हम इसे सटीकता के साथ कर सकते हैं। विशिष्ट आतंकवादी ठिकानों, मुख्यालयों और लॉन्चपैडों पर बहुत सटीक और सोची-समझी कार्रवाई की गई।' प्रतिनिधिमंडल बता रहा है कि हमलावरों ने पीड़ितों की धार्मिक पहचान पूछी और फिर उन्हें मार डाला, जिसका स्पष्ट उद्देश्य भारत के बाकी हिस्सों में एक प्रतिक्रिया भड़काना था। हमले का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सामान्यीकरण की प्रक्रिया को बाधित करना, कश्मीर के लोगों की समृद्धि को कम करना और धार्मिक विभाजन पैदा करना था।

इस तरह किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिनिधिमंडल भेजने के पीछे भारत की वर्तमान तथा भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों के लिए व्यापक आधार बनाना है जिसमें पाकिस्तान को अलग-अलग करने की भी स्थिति पैदा हो। प्रधानमंत्री ने बीकानेर के भाषण में साफ रहा है की आतंकवादी हमले हुए तो पाकिस्तान की सेवा और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान उठाना पड़ेगा।

इस तरह आवश्यकतानुसार युद्ध के साथ आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक घेरेबंदी की भी लंबी योजना है। भारत का उद्देश्य सभी देशों में कार्यपालिका व विधायिका के सदस्यों, बड़े थिंक टैंकों, प्रभावशाली विदेश नीति विशेषज्ञों, मीडिया, जनता और राजनीतिक विचारों के विभिन्न वर्गों से बात कर उनको सहमत कराने के लिए पूरी घटना के आगे पीछे का विवरण और वैश्विक आतंकवाद की स्थिति से अवगत कराते हुए बताना है कि आतंकवाद विश्व की साझी समस्या है और मिलकर इससे लड़ना होगा। आप न्यूयॉर्क में यह बोलते हैं तो लोगों की समझ में आता है। इसी तरह जिन देशों ने आतंकवादी हमले झेले उनकी टीस कुरेदकर स्थिति से अवगत कराने की रणनीति है। अगर विश्व मान रहा है कि भारत पाकिस्तान की सीमा पर शांति है तो उसे यह भी याद दिलाना होगा कि मूल समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान मजहब आधारित आतंकवाद के माध्यम से भारत को तोड़ना चाहता है।

नजरिया

अंधड़, बारिश और चेतावनी : बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

गत 24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। शहरी हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है।

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरुआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती है। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है।

वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूर्वानुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी। बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'सिंगापुर आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है'

सिंगापुर/भाषा

सिंगापुर की एक वरिष्ठ मंत्री ने मंगलवार को भारत के एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनका देश सभी प्रकार के आतंकी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और इस खतरे के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल दक्षिण कोरिया से यहां पहुंचा और सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्य मंत्री सिम एन से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पहलगाम आतंकी हमले के बाद की घटनाओं, 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति से अवगत कराया। सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग के एक बयान के अनुसार, सिम ने कहा कि सिंगापुर सभी प्रकार के आतंकी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि सिंगापुर और भारत करीबी साझेदार हैं तथा वे द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के प्रयास जारी रखेंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अगर भारत पर कोई आतंकवादी हमला होता है तो देश उसका माकूल जवाब देगा। इसने कहा, ''भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेलिंग को बर्दाश्त नहीं करेगा। परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक हमला करेगा। भारत आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार और आतंकी आकाओं के बीच कोई अंतर नहीं करेगा।''भारतीय मिशन ने बयान में कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सिंगापुर से समर्थन करने का अनुरोध किया, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर। एफएटीएफ, वैश्विक धन शोधन और आतंकवाद को वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था है। बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस बात से अवगत कराया कि पहलगाम में आतंकवादी हमला केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और सामान्य स्थिति को बाधित करने का एक प्रयास था।

इसमें कहा गया है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत सरकार ने इसे अंजाम देने वालों और साजिश रचने वालों को न्याय के कठघरे में लाए जाने की आवश्यकता समझी। इस हमले के जवाब में भारत ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच भेद अब मिट चुका है : रविशंकर प्रसाद

पेरिस/भाषा

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच भेद अब मिट चुका है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार की नीति के रूप में आतंकवाद पड़ोसी देश के सैन्य शासन का हिस्सा है।

फ्रांस के दौरे पर गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे प्रसाद ने फ्रांसीसी मीडिया के साथ बातचीत में पाकिस्तान से उपजे आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के भारत के रुख से अवगत कराया।

फ्रांस में भारतीय राजदूत के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवादियों को दफनाये जाने के दौरान पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी की तस्वीरें साक्ष्य के तौर पर पेश कीं और बताया कि किस तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित 52 आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है।

प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, ''पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच भेद अब मिट गया है।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवाद (पाकिस्तानी) सरकार की नीति का एक औजार है, जो पाकिस्तान के सैन्य शासन का एक हिस्सा है। वहां कोई लोकतंत्र नहीं है और सबसे हास्यास्पद बात यह है कि जिस जनरल की सेना को भारत से मुंह की खानी पड़ी, उसे फील्ड मार्शल के रूप में पदोन्नत कर दिया गया। यह उसकी हमेशा से ही इनकार की स्थिति रही है।''

भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सैन्य साजो-सामान के प्रदर्शन को पेरिस में, मीडिया द्वारा भी उठाया गया। इस पर प्रतिनिधिमंडल ने डिजिटल सबूतों के साथ रक्षा मंत्रालय द्वारा की गई कई ब्रीफिंग की ओर इशारा किया। प्रसाद ने कहा, ''भारत का एक भी विमान पाकिस्तानी क्षेत्र में नहीं घुसा।''

भाजपा नेता ने कहा, ''अभियान के विवरण के बारे में पाकिस्तान झूठ बोलता रहता है, लेकिन आज हमारे सैन्य प्रतिष्ठान ने डिजिटल सबूत के साथ सब कुछ स्पष्ट कर दिया है।''

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों पर उन्होंने कहा, ''हमारे बीच 1998 से रणनीतिक साझेदारी है। प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी की भी फ्रांसीसी राष्ट्रपति (इमैनुएल मैक्रों) के साथ व्यक्तिगत मित्रता है... दोनों देशों के बीच रक्षा साजो-सामान के लिए भी साझेदारी शामिल है।''

भाजपा सांसद डी. पुरंदेश्वरी ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद, चलाये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की शानदार सफलता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''आखिरकार लक्ष्य ही मायने रखता है। हमारा पूरा ध्यान इस बात पर था कि हम आतंकी ठिकानों को कैसे नष्ट करें तथा हमारे सैनिकों और हमारे हथियार प्रणालियों ने बखूबी यह किया। और, हमने एक भी सैनिक नहीं खोया। वे सभी सुरक्षित वापस आ गए।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर ने परमाणु हथियारों पर भारत के स्पष्ट और ''पहले इस्तेमाल नहीं करने'' के सिद्धांत पर जोर दिया। उन्होंने कहा ''पाकिस्तान एक सैन्य शासन वाला देश है... जिसका संघर्ष में निहित स्वार्थ है क्योंकि संघर्ष उसके अस्तित्व को उचित ठहराता है... प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि परमाणु हथियारों की धमकियां काम नहीं करेंगी।''

भारत और मालदीव के बीच संबंध आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित हैः भारतीय उच्चायुक्त

माले/भाषा

भारतीय उच्चायुक्त जी बालासुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत और मालदीव के बीच संबंध बहुत पुराना है जो आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित है। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जतायी कि दोनों देशों के संबंध और मजबूत होते रहेंगे। बालासुब्रमण्यम ने पीएसएम न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और स्थायी साझेदारी के रूप में वर्णित किया और दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक सहयोग की ताकत को रेखांकित किया। मालदीव के विकास में भारत के योगदान की बात करते हुए, उन्होंने ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा, ''इस परियोजना के तहत थिलामाले ब्रिज, जो माले को थिलाफुशी से जोड़ेगा, एक प्रमुख पहल के रूप में सामने आता है।'' साथ ही उन्होंने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका की पुष्टि की। उन्होंने पिछले वर्ष मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू की भारत यात्रा को याद किया और कहा कि उनकी ऐतिहासिक यात्रा ने घनिष्ठ द्विपक्षीय सहयोग के लिए आधार तैयार किया।

'हाउसफुल 5' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर को फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल 'नाडियाडवाला ग्रैंडसन' पर जारी किया है। वहीं, फिल्म की सभी स्टारकास्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसे रिलीज किया है। अक्षय कुमार के ट्रेलर पोस्ट पर फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साह दिखा रहे हैं और भविष्यवाणी करते हुए दावा कर रहे हैं कि यह फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी। ट्रेलर की शुरुआत एक क्रूज शिप और नाना पाटेकर की आवाज से होती है। वह एक आदमी रंजीत के बारे में बता रहे होते हैं, जिसने 69 अरब पाउंड की वसीयत छोड़ी है। रंजीत अपनी सारी दौलत के असली हकदार का अनाउंसमेंट करते हैं और कहते हैं कि मेरे इस एम्पायर का असली हकदार मेरी अपनी औलाद है, जिसका नाम है 'जॉली'। कहानी में ट्विस्ट यहां आता है, इस अनाउंसमेंट के बाद वहां एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन-तीन जॉली आ पहुंचते हैं! अब तीनों जॉली संपत्ति को लेकर आपस में भिड़ जाते हैं। इस दौरान काफी मजेदार और हंसी से भरे सीन देखने को मिलते हैं।

कहानी में सांस वहां थम जाती है, जब रंजीत का मर्डर हो जाता है। अब फिल्म सिर्फ कॉमेडी नहीं रहती, बल्कि यह एक मजेदार मर्डर मिस्ट्री बन जाती है। यहां दर्शकों के मन में सवाल उठता है कि रंजीत को किसने मारा? कौन है कातिल?

ट्रेलर में बहुत सारे ऐसे सीन और डायलॉग हैं जो बॉलीवुड की पुरानी और मशहूर फिल्मों की याद दिलाते हैं। उदाहरण के लिए, जैकी श्रॉफ एक सीन में कहते हैं, 'छोटी बच्ची है क्या?', यह डायलॉग असल में उनके बेटे टाइगर श्रॉफ की पहली फिल्म 'हीरोपंती' का मशहूर डायलॉग है। इस फिल्म की शूटिंग एक शानदार क्रूज शिप पर की गई है, जो लंदन से फ्रांस, फिर स्पेन और फिर वापस यूके जाता है। इस क्रूज पर चमक-धमक, हंगामा और कॉमेडी होती है। 'हाउसफुल 5' फिल्म के निर्देशक तरुण मनसुखानी हैं, जो इससे पहले 'दोस्ताना' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। साजिद नाडियाडवाला फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं।

सुदीप्तो सेन की फिल्म 'चरक' ने कान्स में मचाया धमाल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मकार सुदीप्तो सेन की फिल्म 'चरक' की स्क्रीनिंग कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुई। वर्ष 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक चरक ने अपनी अनाउंसमेंट से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बना रखी है। बोल्ड थीम और दमदार कहानी के लिए चर्चा में रही इस फिल्म से द केरला स्टोरी जैसे हार्डहिटिंग सब्जेक्ट देने वाले सुदीप्तो सेन ने बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू अपने बैनर सिपिंग टी सिनेमास के तहत किया है। फोल्कलोर हॉरर मिस्ट्री थ्रिलर के तौर पर बनी ये फिल्म एकदम अलग हटकर है, और इसका जादू इंटरनेशनल लेवल पर भी देखने को मिल रहा है। इस साल की शुरुआत में बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में जहां फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, वहीं अब का 2025 की स्पेशल स्क्रीनिंग में भी इसने सभी को बेहद इम्प्रेस किया है। कान्स 2025 में जब चरक की स्क्रीनिंग एक खचाखच भरे ऑडिटोरियम में हुई,

तो माहौल देखने लायक था। फिल्म को वहां मिले रिएक्शन्स जबरदस्त पॉज़िटिव रहे।

क्रिटिक्स ने फिल्म की जमकर तारीफ की और इसे निर्देशक की एक शानदार सोच और विज़न बताया। सुदीप्तो सेन को लेकर कुछ समीक्षकों ने यहां तक कह दिया कि वो आज के समय में भारत के सबसे प्रॉमिसिंग फिल्ममेकर्स में से एक हैं। चरक को कान्स 2025 में मिले शानदार रिस्पॉन्स को लेकर निर्देशक सुदीप्तो सेन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, चरक को कान्स में इतना बेहतरीन रिस्पॉन्स मिलता देख मैं बेहद खुश हूं। यह हमारी भारतीय संस्कृति की जीत है, जो पूरी दुनिया को हमारी माइथोलॉजी की ताकत और अहमियत दिखाती है। कान्स में मिले इस प्यार ने फिल्म की सोच और कहानी को और भी मज़बूती दी है।

मैं जूरी और दर्शकों का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। फिल्म चरक का निर्माण सुदीप्तो सेन ने किया है। इसका निर्देशन शीलादित्य मौलिक ने किया है और संजय हलदर ने कहानी लिखी है। यह फिल्म सिपिंग टी सिनेमा और सुदीप्तो सेन प्रोडक्शन के बैनर तले तैयार हुई है।

'आमार बॉस' ने तीन सप्ताह में कमाए 3.27 करोड़ रुपए

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म आमार बॉस ने तीन सप्ताह में 3.27 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। विंडोज़ प्रोडक्शन की आमार बॉस, जिसका निर्देशन नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने किया है, बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को खूब लुभा रही है, जिसने महज तीन सप्ताह में 3.27 करोड़ की रुपए मजबूत कमाई की है। 09 मई को रिलीज़ हुई यह फिल्म न सिर्फ व्यावसायिक रूप से सफल सिद्ध हुई है, बल्कि बंगाली सिनेमा के लिए एक सांस्कृतिक उपलब्धि भी साबित हुई है। इस उपलब्धि को और भी महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसे बहुत ही संवेदनशील भू-राजनीतिक हालात में रिलीज़ किया गया।

जहाँ मैडॉक फिल्म्स जैसे बॉलीवुड बैनर सहित कुछ प्रमुख प्रोडक्शन हाउस ने भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सिनेमाघरों में रिलीज़ न करने का फैसला किया, वहीं विंडोज़ आमार बॉस को सिनेमाघरों में लाने के अपने फैसले पर अडिग रहा और दर्शकों ने इसे खूब प्यार दिया।

नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने संयुक्त रूप से अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहा, हमें लगा कि यह कहानी बड़े पर्दे पर आने लायक है। ऐसे समय में, जब डर और अनिश्चितता रचनात्मकता पर हावी हो सकती थी, उस समय दर्शकों ने हमें हिम्मत दी। उनके प्यार ने हमें याद दिलाया है कि भावनाएँ अभी-भी रणनीति से ज्यादा मायने रखती हैं, और सच्चाई से कही गई कहानियाँ हमेशा अपना रास्ता खोज लेती हैं। अपने शुरुआती हफ्ते में ही एक लाख से भी ज्यादा दर्शकों की उपलब्धि के साथ, इतना ही नहीं उसके बाद 16 दिनों में 2.5 लाख दर्शकों और 2025 में किसी बंगाली फिल्म के लिए सबसे बड़ी थिएटर ओपनिंग के साथ, आमार बॉस ने यह साबित कर दिया है कि भावना, लचीलापन और मानवता से जुड़ी कहानियाँ हमेशा ही दर्शकों के दिलों में जगह बनाए रखती हैं।

फिल्म धड़क 2 एक अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2, एक अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन ने वर्ष 2018 में रोमांटिक-थ्रिलर फिल्म 'धड़क' बनाई थी जिसमें ईशान खट्टर और जान्हवी कपूर लीड रोल में थे। लंबे समय से फिल्म के दूसरे पार्ट की चर्चा हो रही थी। धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। निर्माता करण जौहर ने फिल्म धड़क 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। यह फिल्म एक अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट अनाउंस करते हुए करण जौहर ने फिल्म के दो पोस्टर भी शेयर किए हैं, जिसमें सिद्धांत और तृप्ति दिख रहे हैं। एक पोस्टर में फिल्म के हीरो का चेहरा नजर आ रहा है और दूसरे पोस्टर में फिल्म की हीरोइन का चेहरा दिखाई दे रहा है। करण जौहर ने रिलीज डेट अनाउंस करते हुए कैप्शन में लिखा, मरने और लड़ने में से एक को चुनना हो, तो लड़ना. धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को शाजिया इकबाल निर्देशित कर रही हैं।

गीता बसरा ने बताया, क्यों बनाई बॉलीवुड से दूरी?

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री गीता बसरा ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि बॉलीवुड से दूरी बनाने के पीछे क्या वजह थी। अपने फिल्मी करियर पर रोशनी डालते हुए गीता बसरा ने बॉलीवुड में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में अपने सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें सपोर्ट नहीं मिला, जिस वजह से चार बड़ी फिल्में उनके हाथ से निकल गईं। उन्होंने बताया कि पति, क्रिकेटर हरभजन सिंह से मिलने के बाद इंडस्ट्री की उनको लेकर धारणाएं बदल गईं, जिस वजह से कई फिल्में उनके हाथ से निकल गईं। फिल्म निर्माताओं ने मन में यह विचार कर लिया कि अब वह शादी करने जा रही हैं और उन्हें कई प्रोजेक्ट से दूर करना शुरू कर दिया था।

गीता से पूछा गया कि जब उनका करियर आगे की ओर बढ़ रहा था, तब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने का फैसला क्यों लिया, तो गीता बसरा ने बताया कि जब वह हरभजन से मिलीं, तब उन्होंने अपना करियर शुरू ही किया था। बसरा ने बताया, जब मैं भज्जी से मिली, तब मैंने अपना करियर शुरू ही किया था। मैं इंडस्ट्री में नई थी। उस समय लोगों की मानसिकता अलग थी- आप किसी व्यक्ति के साथ सार्वजनिक रूप से दिख जाएं तो अफवाहें फैलने लगती थीं। यह सोच केवल दर्शकों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं की भी ऐसी सोच थी। मेरी भज्जी से मुलाकात हुई और इसके बाद मेरे हाथ से चार फिल्में केवल इसलिए निकल गईं क्योंकि लोगों को लगा कि मैं शादी करने जा रही हूं। इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, जिस वजह से मैं लोगों को समझा भी नहीं सकती थी। गीता ने राहत भरी सांस लेते हुए बताया, शुक्र है कि समय बदल चुका है। आज, कोई भी परवाह नहीं करता कि आप शादीशुदा हैं या आपके बच्चे हैं। जो मायने रखता है वह है स्क्रीन पर आपका काम। जब गीता के पति और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह से पूछा गया कि उन्होंने कभी गीता बसरा को शादी के बाद फिल्मों में वापसी के लिए प्रोत्साहित किया, तो क्रिकेटर ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से उनका था। उन्होंने कभी भी उन पर कोई बंदिश नहीं लगाई और लाइमलाइट से दूर रहने के उनके फैसले का सम्मान किया। हरभजन ने कहा, जब भी उसे जीवन में कोई विकल्प चुनना पड़ा, मैंने हमेशा उसका साथ दिया और उसका समर्थन किया। लेकिन, सब कुछ भगवान की योजना के अनुसार होता है - हम कब, कहां और कितना कर सकते हैं, यह सब भगवान पर निर्भर करता है। मेरा काम उसे सपोर्ट और प्रोत्साहित करना है। गीता बसरा कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें 'दिल दिया है', 'द ट्रेन', 'जिला गाजियाबाद' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचान मिली। साल 2016 में वह पंजाबी फिल्म 'लॉक' में नजर आई थीं।

फिल्म 'मिराई' का टीजर कल होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार तेजा सज्ञा की फिल्म 'मिराई' का टीज़र 28 मई को रिलीज होगा। पीपल मीडिया फैक्ट्री की फिल्म 'मिराई'के दमदार नए पोस्टर के साथ तेजा सज्ञा को एक उग्र अवतार में पेश किया गया है, जो 28 मई को रिलीज़ होने वाले टीज़र की भव्य झलक देने जा रहा है।

फिल्म का निर्देशन कार्तिक गट्टमनेनी ने किया है और इसे टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने प्रोड्यूस किया है।

भूतकाल के एक गौरवशाली युग से प्रेरित होकर आधुनिक शैली में बुनी गई यह कहानी 'मिराई' एक साहसी सुपर योद्धा की यात्रा को दिखाती है, जिसे मानवता के भविष्य की कुंजी रखने वाले नौ पवित्र शास्त्रों की रक्षा का दायित्व सौंपा गया है। जहां तेजा सज्ञा एक दमदार अवतार में नजर आएंगे, वहीं मंजू मांचू रहस्यमयी ब्लैक स्वॉर्ड के साथ सामने आएंगे, जो एक रोमांचक टक्कर की ओर इशारा करता है और दर्शकों में उत्सुकता जगा रहा है। फिल्म की भावनात्मक और दृश्यात्मक गहराई को प्रसिद्ध संगीतकार गौरा हरि के जोशीले म्यूज़िक से और भी निखारा गया है। 'हनुमान' फेम तेजा सज्ञा, बहुमुखी अभिनेता मंजू मांचू और नई प्रतिभा ऋतिका नायक के साथ 'मिराई' एक्शन, पौराणिकता और भविष्यवादी कहानी को एक बोल्ड अंदाज़ में पेश करती है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के आदिश्वर वाटिका में विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शनार्थ जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) मैसूर चैप्टर के सदस्य उपस्थित हुए।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के समीप श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का आयोजन मंगलवार को संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को अन्नदान किया गया। इस सेवा में चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, मनोहरलाल बाफना, प्रकाशचंद बाफना, मानमल बाफना, राजू आंचलिया, मंजूनाथ राव, गौतमचंद मरलेचा, प्रकाश ओस्तवाल, आदि उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कला ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रामनगर स्थित बीआर अंबेडकर भवन में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 200 से भी ज्यादा बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

हिंसा और नफरत की जननी है कट्टरता : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेरकाडू। चेन्नई की ओर विहार करते हुए यहां के गंगैयमन मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि जिनके दिलों में किसी भी निमित्त से किसी भी प्रकार की कट्टरता की भावना पनपती है तो उससे अगले का नुकसान हो या न हो लेकिन उससे स्वयं के सद्भाव, करुणा, प्रेम के गुण समाप्त हो जाते हैं।कट्टरता अपने आप में हिंसा और नफरत की जननी है।

उन्होंने कहा कि कट्टरता और धार्मिकता एक साथ नहीं रह सकती। मुनिश्री कमलेश ने कहा कि विश्व का कोई भी धर्म कट्टरता की इजाजत नहीं देता है। सद्भाव और प्रेम ही धर्म की जननी है। कट्टरता के बीज बोने वाले धर्म के दुश्मन हैं। धर्म सबसे महान है जो राष्ट्ररक्षा की प्रेरणा देता है। संतों ने शहर में आयोजित तमिल धार्मिक समारोह में शामिल हुए। मुनि कमलेशजी ने पर्यावरण, नशामुक्ति, देशभक्ति, अहिंसा और शाकाहार का संकल्प दिलवाया। घनश्याममुनिजी, अक्षतमुनिजी, कौशलमुनिजी व सक्षममुनिजी ने आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक में लिवरपूल विश्वविद्यालय का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रसेल समूह का हिस्सा लिवरपूल विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बेंगलूरु का पहला विदेशी विश्वविद्यालय परिसर खोलने की अपनी योजना की घोषणा की। इस विश्वविद्यालय में वर्ष 2026 से शैक्षणिक सत्र शुरु हो जाएंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सहित कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस कार्यक्रम में ब्रिटेन-भारत उच्च शिक्षा सहयोग में एक नए अध्याय का स्वागत किया गया।

यह घोषणा सीमा पार सहयोग का जश्न मनाने के लिए की गई थी और इसमें कई वरिष्ठ मंत्रियों की उपस्थिति भी शामिल थी, जिन्होंने बेंगलूरु में विश्वविद्यालय का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव और बड़े एवं मध्यम उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एमबी पाटिल भी मौजूद थे। इन सभी ने कर्नाटक को विश्वस्तरीय शिक्षा के केंद्र के रूप में स्थापित करने के राज्य के एकीकृत दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व किया। नया बेंगलूरु परिसर विश्वविद्यालय की शोध-केंद्रित संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शैक्षणिक मानकों पर आधारित होगा। यह कर्नाटक के गतिशील नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के साथ साझेदारी को गहरा करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी काम करेगा, जो छात्रों और शोधकर्ताओं को भारत और यूके दोनों में उभरती हुई उद्योग आवश्यकताओं से जोड़ेगा। कार्यक्रमों के शुरुआती सेट में बिजनेस मैनेजमेंट, अकाउंटिंग और फाइनेंस, कंप्यूटर साइंस, बायोमेडिकल साइंसेज और गेम डिज़ाइन शामिल होंगे, जो भारत में यूके विश्वविद्यालय परिसर द्वारा पहली बार पेश किए जाएंगे। बाद के चरणों में विषयों का एक व्यापक पोर्टफोलियो जोड़े जाने की उम्मीद है। यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल के कुलपति प्रोफेसर टिम जोन्स ने कहा, बेंगलूरु में विश्वस्तरीय परिसर खोलकर भारत के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों में यह महत्वपूर्ण कदम उठाने पर हमें गर्व है। ज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर्नाटक राज्य की प्रतिष्ठा इसे भारत में विश्वविद्यालय के परिसर के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। हम स्थानीय समुदायों, संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी में परिवर्तनकारी शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, लिवरपूल विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस-चांसलर और ग्लोबल एंगेजमेंट्स एंड पार्टनरशिप्स प्रोफेसर तारिक अली ने कहा कि विश्वविद्यालय ने बेंगलूरु मुख्यालय वाली आईटी दिग्गज विप्रो लिमिटेड के साथ-साथ एक्सिस बैंक और टीआईई बेंगलूरु के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

कर्नाटक में विश्वविद्यालय के प्रवेश का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा, कर्नाटक हमेशा से शिक्षा और नवाचार के मामले में सबसे आगे रहा है। बेंगलूरु में अपना पहला विदेशी परिसर स्थापित करने का लिवरपूल विश्वविद्यालय का निर्णय वैश्विक ज्ञान गंतव्य के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। हम उनका तहे दिल से स्वागत करते हैं और इस उद्यम को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बेंगलूरु में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त चंद्रू अय्यर ने कहा कि यूके और भारत ने दोनों देशों के लिए और भी अधिक देने के लिए अपनी साझेदारी को ताज़ा और गहरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। हमारी विस्तारित साझेदारी एआई और सेमीकंडक्टर, उच्च शिक्षा परिसरों और हरित ऊर्जा पहलों जैसे विविध क्षेत्रों में प्रतिष्ठित, दूरंदेशी सहयोग प्रदान करेगी। लिवरपूल विश्वविद्यालय द्वारा बेंगलूरु में एक परिसर खोलने की घोषणा यूके-भारत साझेदारी का प्रमाण और उत्सव दोनों है। उन्होंने आगे कहा कि जुलाई 2024 में घोषित प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल, दूरसंचार नवाचार पर महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगी और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश को बढ़ावा देगी। सुरक्षा पहल, दूरसंचार नवाचार पर महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगी और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश को बढ़ावा देगी।

आदर्श एआईएमआईटी के एमबीए विद्यार्थियों ने किया अच्छा प्रदर्शन

नुन्ना हेमस्विथा ने प्रथम रैंक और कीर्तना जीएस ने पांचवी रैंक हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की एक इकाई आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एआईएमआईटी) के वर्ष 2023-25 के हाईफ्लायर्स एमबीए बैच की सुश्री नुन्ना हेमस्विथा ने बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एमबीए परीक्षाओं में प्रथम रैंक और सुश्री कीर्तना जीएस ने 5वीं रैंक हासिल की है। प्रबंधक मंडल ने बताया कि एमबीए की परीक्षा में शामिल कॉलेज के 9%वें प्रतिशत विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, %2 प्रतिशत विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन के साथ प्रथम श्रेणी हासिल की है। वर्ष 2024 में भी छात्रा सुश्री सहानाश्री ने भी बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी की एमबीए- परीक्षाओं में प्रथम रैंक हासिल किया था। कॉलेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता, प्रिंसिपल व अन्य शिक्षकों ने सभी रैंक धारकों को शुभकामनाएं दी।

जैन केयर ग्रुप ने उदासीन मठ गौशाला में की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन केयर ग्रुप के बारह दोस्त, जो हर अमावस्या को अलग अलग गौशाला में गायों को ताज़ी बनी रोटियां, कबूतरों को दाना, कुत्तों को रोटी और बिस्कुट खिलाते हैं, ने अमावस्या के मौके पर उदासीन मठ गौशाला में गायों को हरा चारा व रोटियां खिलाई। ग्रुप के सोनू छाजेड़, चेतनप्रकाश झारमुथा, संपतराज चाणोदिया, राकेश दांतेवाड़िया, मनोज गुलेच्छा, अनिल भंडारी, रंजीत भंसाली, ललित छाजेड़, मुकेश नाहर आदि ने गौसेवा की।

रैपर राजा कुमारी एएमए पुरस्कार पाने वालीं भारतीय मूल की पहली संगीतकार बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय मूल की गायिका-गीतकार और रैपर राजा कुमारी को मंगलवार को अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड (एएमए) से सम्मानित किया गया। उन्हें सोमवार रात लॉस एंजिल्स में आयोजित 51वें एएमए में 'आर्केन लीग ऑफ लीजेंड्स : सीजन 2' के लिए नामांकित किया गया था। इससे पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए गए एक साक्षात्कार में कुमारी ने कहा था कि वह एएमए के लिए नामांकित होने वाली भारतीय मूल की पहली संगीतकार हैं।

कुमारी, ब्रिटेन की हिप-हॉप कलाकार स्टेफलॉन डॉन और डोमिनिकन-ब्राजीलियन कलाकार जरीना डी मार्को के सहयोग से बनी 'आर्केन लीग ऑफ लीजेंड्स' सीरीज के गीत 'रेनेगेड (वी नेवर रन)' को पसंदीदा साउंडट्रैक श्रेणी के तहत नामित किया गया था। कुमारी ने बताया कि यह गाना उनके लिए वाकई खास है। कुमारी ने कहा, स्टेफलॉन (डॉन) और मैं सिद्धू (मूसे वाला) से काफी हद तक जुड़े हुए हैं। सिद्धू के साथ उनका भी एक गाना है। मैं सिद्धू से उस समय मिली थी जब हम साथ काम कर रहे थे, तो उन्होंने मुझे यह गाना सुनाया था। इसलिए, मेरे दिल में हमेशा उनके लिए एक खास जगह रही है क्योंकि हम दोनों ही एक तरह से सौम्य व्यक्तित्व वाले हैं।

रैपर ने कहा कि उन्हें इस गाने के लिए इसलिए संपर्क किया गया क्योंकि फिल्म में उनका किरदार भारतीय है। कुमारी ने कहा, ''उन्होंने (आर्केन टीम) मेरे बारे में सुना था कि मैं हमारी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हूं और एक महिला के रूप में इस तरह का संगीत बनाने में सक्षम हूं।'' कुमारी ने कहा कि उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि यह गाना इतना बड़ा हिट होगा। कुमारी ने कहा, ''यह गाना स्पॉटिफाई पर 'वायरल 50' चार्ट पर दुनिया के शीर्ष 10 में पहुंच गया। यह कुछ ऐसा था जो अचानक से हुआ। मैंने बस एक फिल्म के लिए एक गाना किया था। मुझे इससे बहुत उम्मीदें नहीं थीं। इसने लोगों को वास्तव में प्रभावित किया।''

रैपर ने कहा कि एएमए नामांकन ऐसे समय में मिला जब वह यह मानने लगी थी कि शायद बड़ा बनने के लिए किसी एक शैली पर ही ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से एक वैश्विक कलाकार रही हूं, इसलिए एएमए पुरस्कार एक शानदार मौका है।

नारायण मूर्ति ने आईआईएमए के अव्वल छात्र के लिए पूर्ण-शुल्क छात्रवृत्ति की शुरुआत की

बेंगलूरु। इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने मंगलवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के साथ मुद्रास्फीति-समायोजित, पूर्ण-शुल्क छात्रवृत्ति शुरु करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष उस पात्र छात्र को प्रदान की जाएगी, जो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के प्रथम वर्ष में उच्चतम 'क्यूम्यलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज' (सीजीपीए) प्राप्त करेगा।

नारायण मूर्ति ने कहा, मुझे प्रोफेसर जसवंत जी कृष्णय्या की स्थायी विरासत और आईआईएमए में उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में आईआईएमए में यह छात्रवृत्ति शुरु करते हुए खुशी हो रही है। यह मेरे शुरुआती जीवन और करियर को आकार देने में प्रोफेसर कृष्णय्या की महत्वपूर्ण भूमिका का भी प्रमाण है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि छात्रवृत्ति में आईआईएमए में दो वर्षीय पीजीपी में वार्षिक ट्यूशन फीस, छात्रावास व्यय, पाठ्यक्रम सामग्री और भोजनालय शुल्क शामिल होगा। मूर्ति ने 20 वर्षों तक छात्रवृत्ति के लिए धन मुहैया कराने की प्रतिबद्धता जताई है। 20 वर्षों में छात्रवृत्ति के लिए कुल भुगतान 12 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

मैसूरु जीतो के सदस्यों ने आचार्यश्री देवेन्द्रसागर के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के आदिश्वर वाटिका में विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शनार्थ जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) मैसूर चैप्टर के सदस्य उपस्थित हुए। वंदन एवं दर्शन के पश्चात आचार्यश्री ने जीतो मैसूर के विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों की सराहना की तथा सभी सदस्यों को आशीर्वाद प्रदान किए।

साथ ही आचार्यश्री ने अपने 50वें दीक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए जीतो सदस्यों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष भेरूलाल पीतलिया, श्रमण आरोग्यम संयोजक राजन बागमार, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, यूथ विंग चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, सचिव पुनीत जुगराज सहित आदिनाथ जैन संघ के कोषाध्यक्ष भोजराज जैन, पार्श्व पद्मावती संघ के अध्यक्ष दलीचंद जैन, महावीर भंसाली एवं अन्य अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

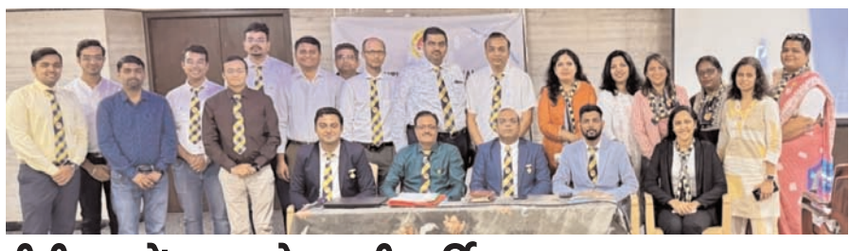

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) वेस्ट शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन विजयनगर तेरापंथ भवन में हुआ जिसमें 28 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष ललित बेगानी ने शाखा की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए टीम की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत जैन ने टीम के नवाचारपूर्ण आयोजनों की सराहना की। सचिव कौशल खटेड़ ने वर्ष 2024-25 का मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष आशुतोष नाहर ने वित्तीय रिपोर्ट साझा की। आरआरपीएन एसोसिएट को वर्ष 2025-26 के लिए ऑडिटर नियुक्त किया गया। टीपीएफ से भरत भंसाली, संजय मालू, संजय चोरड़िया, तेरापंथ सभा के विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर की विशेष उपस्थिति रही। संयुक्त सचिव दीक्षा जैन ने धन्यवाद दिया।

मैजिक फेयर्स अचीवर्स ने जीता जेबीएन प्रीमियर लीग, दि सुपर किंग्स बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेबीएन साउथ और नॉर्थ द्वारा जेबीएन ट्रेंड सेटर अचीवर्स के नेतृत्व में पासे अकादमी द्वारा जेबीएन प्रीमियर लीग 2025 बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें 12 टीमें मैजिक फेयर्स अचीवर्स, किंग्स नाइट राइडर्स, सिनअप सुपर स्टार्स, जस्ट इन्वेस्ट वॉरियर्स, एम क्यूब टाइटन्स, एचवीएसी स्ट्राइकर्स, एडवांटेज-दि रॉयल स्ट्राइकर्स, यूनिकॉर्न वॉरियर्स, सैफायर स्टेलियंस, बीटीएस सुपर स्ट्राइकर्स, जीत द सुपर किंग्स, रुद्राक्ष किंग्स टीम व 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। अमित जैन और मयंक नागोरी के नेतृत्व में मैजिक फेयर्स अचीवर्स ने जीत हासिल की, जीत जैन और दर्श सियाल के नेतृत्व में जीत दि सुपर किंग्स उपविजेता रहे। दर्श सियाल को मैन ऑफ दि सीरीज, मोक्ष जैन को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, यश जैन को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज व विभा को महिला ऑफ दि सीरीज चुना गया।

स्नात्र महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 1 जून से भगवान महावीर संस्कार वाटिका का शुभारंभ किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में मंदिर में आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में स्नात्र पूजा का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष मदनलाल पोरवाल, वाटिका के चेयरमैन गौतम पोरवाल, वाटिका के अध्यक्ष प्रवीण गादिया, सचिव विक्रम पुनामिया, कोषाध्यक्ष विकास पालरेचा, अंकित भंसाली, राजेंद्र नागोत्रा सहित अनेक श्रावक उपस्थित थे। उसी दिन मंदिर के नूतन भवन निर्माण के शुभारंभ का भी निर्णय लिया गया और एक जून को ही उसके संबंधित चढ़ावे बोले जाएंगे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com